



झगड़े के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला, घायल एजेंसी, नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में शनिवार को झगड़े के दौरान कथित तौर पर दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना पहाड़गंज के मेन बाजार में 'सत्यम टी-पॉइंट' के पास दोपहर करीब 12:30 बजे हुई, जिसके बाद स्थानीय थाने को इसकी सूचना दी गयी। पुलिस ने कहा कि घायलों में एक ऑटो रिक्शा चालक तथा दूसरा होटल रूम एजेंट है तथा दोनों की उम्र 40 के आसपास है। पुलिस के अनुसार घायलों को लोगों ने निजी गाड़ी से लोक नायक अस्पताल पहुंचाया और अब उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक आरंभिक जांच में पता चला है कि दो लोगों का श्री राम नामक एक व्यक्ति से झगड़ा हुआ था, जिसने कथित तौर पर चाकू से उन पर हमला किया। दोनों के पेट में जख्म है। पुलिस का कहना है कि हत्या के प्रयास समेत विभिन्न उपयुक्त प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है तथा जांच की जा रही है।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के केशव पुरम इलाके में आंख का चेकअप कराने के बहाने एक 43 वर्षीय महिला को हवस का शिकार बनाने वाले 32 वर्षीय युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान विकास के तौर पर हुई है। पुलिस ने शिकायत के हवाले से बताया कि आरोपी महिला को आंख की जांच के बहाने अपने घर ले गया और वहां उसने महिला को बेहोश कर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि वह लंबे समय से महिला के अकेला पाने का इंतजार कर रहा था।

नकली सिगरेट जब्त आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रोहिणी इलाके में नकली सिगरेट की आपूर्ति करने के आरोप में 32 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके पास से करीब 15 लाख रुपये मूल्य की 1.2 लाख नकली सिगरेट जब्त की गईं। आरोपी का नाम बाबरपुर निवासी अकरम बताया गया है। पुलिस के अनुसार प्रशांत विहार इलाके में नकली सिगरेट की आपूर्ति की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने रोहिणी के सेक्टर 10 में जापानी पार्क के पास जाल बिछाया था। अकरम को रोककर पूछताछ की। आरोपी के पास मौजूद पांच प्लास्टिक बैग की तलाशी लेने पर उनमें नकली सिगरेट की 10 पेटियां मिलीं। इसके बाद प्रशांत विहार थाने ने कॉपीराइट अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

सरकार और ठेकेदार के बीच फंसी ‘गरीबों की बसें’



हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली की सड़कों पर ढैजने वाली सरकारी बसें लाखों लोगों के लिए सिर्फ परिवहन का साधन नहीं हैं। मजदूर, कर्मचारी, छात्र, महिलाएं, बुजुर्ग और रोज कमाकर घर चलाने वाले लोगों के लिए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बसें शहर की ज़िंदगी का सबसे किफायती सहारा हैं। लेकिन दिल्ली सरकार के अंतर्गत सखिदा चालकों की हड़ताल के बीच यही ‘गरीबों की बसें’ अब दिल्ली सरकार और ठेका व्यवस्था के बीच फंसीत नजर आ रही हैं। इसका सीधा असर सड़क पर बसों की उपलब्धता और यात्रियों की जेब पर पड़ रहा है। बता दें कि दिल्ली में पिछले पांच दिनों से सखिदा चालकों की हड़ताल के कारण कई डिपो से बस संचालन प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है। बुराड़ी, जीटी करनल सहित बाहरी दिल्ली के कई इलाकों से रोजाना राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में आने-जाने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ी है। वहीं, नाम नहीं छापने की शर्त पर कुछ चालकों ने बताया कि

नरेला में हेड कांस्टेबल ने पत्नी की हत्या कर दी जान

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में शनिवार दोपहर दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल ने पत्नी की हत्या के बाद आत्महत्या कर ली। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये राजा हरिश्चंद्र अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया गया है। हेड कांस्टेबल के द्वारा उठाये गये इस कदम के पीछे की वजह का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस परिजनों और मृतकों के बच्चों से बात कर आगे की तपतीश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 1 बजे नरेला पुलिस को महादेव अपार्टमेंट के एक फ्लैट के अंदर से बंद होने के बारे में पीसीआर कॉल मिली। मौके पर



पहुंचने पर फायर ब्रिगेड की मदद से पुलिस ने फ्लैट के अंदर प्रवेश किया। एक ही कमरे में दो लोग मृत पाए गए। उनकी पहचान हेड कांस्टेबल मोनू (40) और उनकी पत्नी मीनू (35) के रूप में हुई।

मोनू नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में तैनात थे। एफएसएल और क्राइम टीम को मौके पर बुलाकर जांच करवाई गई। सीनियर अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए राजा हरिश्चंद्र अस्पताल भेजा

महिला को दो लाख का लालच देकर लालच देकर गहने टगे

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

द्वारका जिले की डाबड़ी पुलिस ने एक महिला को दो लाख का लालच देकर गहने ठगने वाले नाबालिग समेत दो आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगे व चोरी किये सोने के झुमके बरामद कर लिये हैं। पीड़िता को धोखा देने के लिए नकली नोटों का इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस ने बताया कि 10 सितंबर को इस मामले की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता महिला पत्नी सतेंद्र कुमार ने पूछताछ के दौरान बताया कि दो लड़के पैदल उनके पास आए और एटीएम के बारे में पूछा। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें यह कहकर बहलाया कि उनके पास दो लाख हैं और वे यह रकम उसके साथ आटना चाहते हैं। उन्होंने महिला को पैसे का हिस्सा देने का लालच देकर उसके सोने के गहने ले लिए। बदले में महिला ने आरोपियों द्वारा दिए गए नोटों का



■ नाबालिग समेत दो दबोचे

बंडल ले लिया, जिसमें बाद में नकली नोट पाए गए। जांच के दौरान लगभग 20 किलोमीटर के दायरे के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया और संदिग्ध व्यक्ति की रघुवीर नगर की ओर आवाजाही का पता लगाया गया। इसके बाद आरोपी विशाल को उसके नाबालिग साथी के साथ पकड़ लिया गया। इस मामले से जुड़ी सोने की बालियों की एक जोड़ी आरोपी विशाल के पास से बरामद की गई। बाकी चोरी हुए सोने के पेंडेंट का पता लगाने और उसे बरामद करने के प्रयास जारी हैं। आरोपियों के खिलाफ विकासपुरी थाने में भी एक मामला दर्ज मिला है।

विधानसभा में मामला उठने के बाद भी सड़कों पर से नहीं हटाए जा रहे हैं डस्टबिन

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

विधानसभा के मानसून सत्र में डस्टबिन का मामला उठने के बाद भी सड़कों पर से डस्टबिन अभी तक नहीं हट पाए हैं। पांडव नगर की बात करें तो यहां की सड़क अभी भी डस्टबिन रखे हुए हैं। दरअसल इन डस्टबिनों को कूड़ा डालने के लिए रखा गया है लेकिन समय से इन डस्टबिनों के न उठने से इनका कूड़ा सड़क पर फैल जाता है और आने जाने वाले लोगों को बदबू का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि लक्ष्मीनगर के विधायक और भाजपा दल के मुख्य सचेतक अभय वर्मा ने मानसून सत्र के दौरान नियम विशेष उल्लंघन 280 के तहत विधानसभा के सदन में डस्टबिन और कूड़ा संबंधी मामला उठाते हुए मांग की थी कि उनके क्षेत्र में कई



सड़कों पर कूड़े डस्टबिन रखे हैं। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने ने सदन में कहा था कि उनके क्षेत्र की प्रमुख बाजारों, चौराहों, सड़कों पर डस्टबिन रखे हैं। लेकिन इनके समय पर उठने के कारण इनका कूड़ा सड़क पर फैला रहता है और भयंकर बदबू आती है। जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है।

इसलिए इन डस्टबिनों को हटया जाइ। शनिवार की दोपहर की बात करें तो कई सफाई कर्मचारी पांडव नगर की सड़क को साफ कर रहे थे। लेकिन डस्टबिन को नहीं हटया गया। उधर कूड़ा निस्तारण प्लांट के पास तो कई डस्टबिन सड़क पर ही रखे हैं। यहां भयंकर बदबू आती है। यहां लाखों रुपयों खर्च करके एक सार्वजनिक शौचालय बनाया गया है लेकिन इस शौचालय को कूड़े डस्टबिन से घेर दिया गया है। जिससे यह सार्वजनिक शौचालय ठप हो गया है। भयंकर बदबू के कारण इस शौचालय में कोई भी जाना पसंद नहीं कर रहा है। अगर यहां डस्टबिन को कूड़ा निस्तारण प्लांट की दूसरी तरफ रखवा दिया जाए तो शौचालय का रास्ता खुल जाएगा और लोग इस शौचालय का प्रयोग कर सकेंगे।

■ योग्य कर्मचारियों की भारी कमी के कारण अस्पतालों में बहुमूल्य उपकरण हो रहे हैं खराब

बन रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा रखी गई रिपोर्ट पर अदालत पूरी तरह असंतुष्ट है क्योंकि अस्पतालों में इन उपकरणों को चलाने वाले कोई तकनीशियन नहीं हैं। यह चिंताजनक है कि दिल्ली सरकार की कोई समान मानव संसाधन नीति नहीं होने के कारण अस्पतालों को आवश्यक डॉक्टरों और कर्मचारियों की भर्ती में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। यादव ने कहा कि न्यायालय की टिप्पणी कि न्यायाधीश आएंगे, न्यायाधीश जाएंगे, लेकिन अस्पतालों को काम करना होगा। अदालत का यह सरकारी अस्पतालों की खराब स्थिति को लेकर एक मजबूत आरोप है क्योंकि सरकारी अस्पताल आम लोगों के लिए मुफ्त और किफायती इलाज पाने का एकमात्र विकल्प हैं। यादव ने

निर्वासित किए जाएंगे दिल्ली पुलिस के अभियान के बाद 10 विदेशी नागरिक लिए हिरासत में

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे और तय समय से अधिक समय तक रुके विदेशी नागरिकों की जांच के लिए द्वारका में 43 जगहों पर एक विशेष अभियान चलाया, जिसके बाद निर्वासन की प्रक्रिया के लिए 10 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान 40 विदेशी नागरिकों की जांच की गई, जिनमें 31 नाइजीरियाई, चार युगांडा के, तीन तंजानिया के और दो आइवरी कोस्ट के नागरिक शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान 25 सर्मापित टीमों ने

साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

पूर्वी जिले की साइबर पुलिस ने म्यूल अकाउंट आधारित साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुये तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक गाड़ी और डिजिटल डिवाइस बरामद की गईं। आरोपियों के नाम सनी, जैद और गनी खान बताये गये हैं। ये लोग एक ऐसे नेटवर्क का हिस्सा थे जो साइबर धोखाधड़ी से मिली रकम को धिधर-उधिर करने के लिए म्यूल बैंक अकाउंट हासिल करने और उनके इस्तेमाल में शामिल था।

पुलिस के अनुसार यह मामला नकली रिफंड साइबर धोखाधड़ी से जुड़ा था। इसमें शिकायतकर्ता को ऑनलाइन ड्राई फ्रूट ऑर्डर के रिफंड की प्रक्रिया के बहाने क्लाट्सएफ के जरिए धोखेबाजों ने संपर्क किया और 47,971 रुपये की

धोखाधड़ी की गई थी। जांच के दौरान, बैंकिंग ट्रेल, एटीएम से पैसे निकालने, डिजिटल सबूतों और मोबाइल-फोन डेटा के विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि धोखाधड़ी की रकम आरोपी सनी के बैंक अकाउंट के जरिए भेजी गई थी, जिसका इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा था। आगे की जांच में जैद और गनी खान की पहचान हुई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। वे कथित तौर पर नेटवर्क में इस्तेमाल के लिए दिल्ली से बैंक अकाउंट खोलने वाली किट और अकाउंट से जुड़ी अन्य सामग्री इकट्ठा करने में शामिल थी। पूरी मनी ट्रेल का पता लगाने, अन्य म्यूल अकाउंट की पहचान करने और नेटवर्क के अन्य सदस्यों की संलिप्तता का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

आईजीआई हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार

एजेंसी ►► नई दिल्ली

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दुबई से आए दो यात्रियों को रोककर उनके पास से 2.16 किलोग्राम की सोने की छड़ें जब्त की गईं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, खुफिया जानकारी और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर हवाई खुफिया इकाई (एआईयू) के अधिकारियों ने विमान के द्वार से ही एक महिला और एक पुरुष यात्री पर गुप्त रूप से नजर रखनी शुरू कर दी थी। बयान में कहा गया है कि अधिकारियों ने महिला को 'लगेज बेग्ट के पास बने शौचालय के बाहर पुरुष यात्री से बात करते देखा, जो उसके बाद सोना शुल्क विभाग के 'ग्रीन चैनल' के निकास द्वार पर दोनों यात्रियों

को रोक लिया गया।

जांच के दौरान महिला यात्री के सामान और 'डैर फ्रेम मेटल डिटेक्टर' (डीएफएमडी) जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, पुरुष यात्री की डीएफएमडी जांच के दौरान धातु की उपस्थिति दर्शाने वाली एक तेज आवृत्ति (बीप) बजी, जिसके बाद तलाशी लेने पर उसके पास से सोने की 11 छड़ें बरामद हुईं। बयान के अनुसार, जब्त किए गए सोने में 10-10 तोला की 10 छड़ें और 1 किलोग्राम की 1 छड़ शामिल है, जिनका कुल वजन 2,168 ग्राम (2.16 किलोग्राम) है।

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत दोनों यात्रियों को हिरासत में ले लिया है और सोना जब्त कर लिया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त अरुण सिंह , पुत्र स्वर्गीय श्री बैन सिंह निवासी झुग्गी नंबर 449, आर-ब्लॉक, रघुवीर नगर, दिल्ली (और अन्य सभी अज्ञात पते) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 88/2018 दिनांक 17.03.2018 भा.द.सं. की धारा 392/394/411/34 के तहत एण्ड 25 आर्म्स एक्ट, थाना रंजीत नगर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त अरुण सिंह मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त अरुण सिंह फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 88/2018 दिनांक 17.03.2018 भा.द.सं. की धारा 392/394/411/34 के तहत एण्ड 25 आर्म्स एक्ट, थाना रंजीत नगर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त अरुण सिंह से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए 29.10.2026 को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्रुति कंधारी
अतिरिक्त मुख्य न्याधिक दण्डाधिकारी (पश्चिम)
कमरा नं.145, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त जितेन्द्र मंडल पुत्र स्व. घनश्याम मंडल निवासी मकान नं. 70/95, गली 40-08, बीस फुट रोड, भाग-2, मुकुंदपुर, नई दिल्ली, ने FIR No. 714/2023, U/S 498A/406/34 IPC, पुलिस स्टेशन पश्चिम विहार पूर्व, बाहरी जिला, दिल्ली, के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त जितेन्द्र मंडल मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त जितेन्द्र मंडल अभियुक्त फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि FIR No. 714/2023, U/S 498A/406/34 IPC, पुलिस स्टेशन पश्चिम विहार पूर्व, बाहरी जिला, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त जितेन्द्र मंडल से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 29.10.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीक्षा मदान
न्याधिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (महिला कोर्ट)-05, कमरा नं0-353, पश्चिम जिला, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त आरोपी सुमन, पत्नी: मुकेश पता: झुग्गी नंबर 52, प्रियंका कैम्प, श्री-निवासपुरी, नई दिल्ली FIR No. 442/2021, U/S: 33/52 Delhi Excise Act, थाना: कालिंदी कुंज, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त सुमन, मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त सुमन, फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त सुमन, FIR No. 442/2021, U/S: 33/52 Delhi Excise Act, थाना: कालिंदी कुंज, दिल्ली, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 31.10.2026 को या उससे पहले हाजिर हो ।

आदेशानुसार
श्री कंवल सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-10
कमरा नंबर 307, तृतीय तल, दक्षिण-पूर्व जिला साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली

सुविचार

आपके कर्म ही आपकी पहचान है, वर्ना एक नाम के हजारों इंसान हैं। -अज्ञात

haribhoomi.com

कार्बन उत्सर्जन के लिए विकासशील देशों को जिम्मेदार ठहराना अनुचित

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत के आधे से भी कम है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को अक्सर कार्बन उत्सर्जन के लिए अनुचित रूप से जिम्मेदार ठहराया जाता है। प्रधानमंत्री शनिवार को नई दिल्ली में पर्यावरण एवं जलवायु गतिशीलता के भविष्य पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद

संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जी-20 का एकमात्र देश है, जिसने पेरिस में आयोजित कॉप-21 सम्मेलन में किए गए जलवायु संबंधी संकल्पों को तय समय से पहले पूरा किया है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने पर्यावरण से जुड़े प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष ध्यान देने के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण में भारत ने तय किए नए मानक, बोले पीएम मोदी

भारत पर्यावरण संरक्षण के नए मानक स्थापित कर रहा

मोदी ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलार्यस और मिशन लाइफ जैसी पहलों के माध्यम से दुनिया के साथ मिलकर काम कर रहा है और पर्यावरण संरक्षण के नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत स्वच्छ परिवहन और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले 12 वर्षों में देश की पवन ऊर्जा क्षमता में तीन गुना वृद्धि हुई है। नया भारत परमाणु ऊर्जा उत्पादन पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

भारत में पृथ्वी के संरक्षण की अवधारणा बहुत पहले से

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि भारत में पृथ्वी के संरक्षण की अवधारणा पर्यावरण न्यायाधिकरणों, नियामक व्यवस्थाओं और अनुपालन ढांचे के अस्तित्व में आने से बहुत पहले से रही है। उन्होंने संविधान में प्रत्येक नागरिक के उस मौलिक कर्तव्य का उल्लेख किया, जिसके तहत प्राकृतिक पर्यावरण, जिसमें वन, झील, नदियां और वन्यजीव शामिल हैं, की रक्षा और सुधार करना तथा जीवित प्राणियों के प्रति करुणा रखना शामिल है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत का संविधान केवल राजनीतिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि पिछली, वर्तमान और भावी पीढ़ियों के प्रति नैतिक प्रतिबद्धता भी है।

भारत नवीकरणीय ऊर्जा में दुनिया में तीसरे स्थान पर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पर्यावरण के प्रति भारत की जिम्मेदारी की सोच उसकी प्राचीन सभ्यतागत परंपरा में गहराई से निहित है, जिसमें पृथ्वी को किसी की संपत्ति नहीं बल्कि साझा विरासत और पवित्र दायित्व माना गया है। उन्होंने कहा कि भारत की स्थापित बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की हिस्सेदारी अब 54 प्रतिशत से अधिक हो गई है और देश ने अपना पूर्व निर्धारित लक्ष्य पार कर लिया है। भारत नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है और सौर ऊर्जा क्षमता में वृद्धि के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। यादव ने कहा कि ये उपलब्धियां रूसी हैं कि आर्थिक विकास और प्रभावी जलवायु कार्रवाई साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

भारत पारिस्थितिक संतुलन की रक्षा कर रहा

वन्यजीव संरक्षण के संबंध में यादव ने कहा कि भारत के प्रयास केवल अलग-अलग वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक संतुलन की रक्षा पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि बाघ, शेर और हाथी जैसी प्रमुख प्रजातियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साथ ही गिद्धों और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के प्रयास भी तेज किए जा रहे हैं। उन्होंने जंगलों, घासभूमियों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

17 देशों के वरिष्ठ न्यायाधीश और न्यायिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से आयोजित यह दो दिवसीय सम्मेलन पर्यावरण विशेषज्ञों, सुप्रीम कोर्ट एवं विभिन्न हाईकोर्ट के न्यायाधीशों तथा जिला न्यायाधीशों को एक मंच पर ला रहा है। सम्मेलन में 17 देशों के वरिष्ठ न्यायाधीश और न्यायिक प्रतिनिधि भी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन में पर्यावरण एवं जलवायु से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा होगी। इनमें नीति निर्माण, उसके क्रियान्वयन और प्रवर्तन में मौजूद कमियों के साथ पर्यावरणीय शासन व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थागत सहयोग बढ़ाने के उपाय शामिल हैं। सम्मेलन में न्यायिक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक ज्ञान, पर्यावरणीय शासन की व्यवस्थाओं और विभिन्न देशों के संस्थागत अनुभवों का भी आदान-प्रदान किया जाएगा।



खबर संक्षेप

स्पाइसजेट की कई उड़ानें रद्द और लेट, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर शनिवार को परिचालन (ऑपरेशनल)

संबंधी दिक्कतों के कारण स्पाइसजेट की कई फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। कई उड़ानों में घंटों की देरी हुई, जबकि कुछ रद्द कर दी गईं, जिससे सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया पर इस असुविधा के लिए यात्रियों से माफी मांगी है और बताया कि सहायता प्रदान की गई। स्पाइसजेट ने अब तक दिक्कतों की वजह स्पष्ट नहीं की है। गौरतलब है कि चार दिन पहले भी डुबई जाने वाली स्पाइसजेट की एक फ्लाइट 30 घंटे लेट हुई थी।

दिल्ली हवाई अड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं आज से मुंबई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं 20 सितंबर से फिर से बहाल होगी। रनवे को मजबूती देने और उन्नयन कार्य के लिए बंद कर दिया गया था। रनवे 11आर/29एल (तीसरा रनवे) का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया और इसको फिर से सेवा में लाने के लिए सभी जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिल गई हैं। डीआईएल, अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी जीएमआर समूह के नेतृत्व वाले समूह और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का संयुक्त उपक्रम है। इस साल फरवरी में शुरू हुए जीर्णोद्धार कार्य के तहत रनवे की सतह को फिर से तैयार करने, रनवे 29एल के स्थायी श्रेणोल्ड को आगे करने, नए रेपिड एग्जिट टेक्सीवे (आरईटी जेड) के निर्माण, एयरफील्ड ग्राउंड लाइटिंग सिस्टम के उन्नयन और रनवे की सतह को मजबूत करने के काम किए गए।

दिल्ली हवाई अड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं आज से मुंबई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं 20 सितंबर से फिर से बहाल होगी। रनवे को मजबूती देने और उन्नयन कार्य के लिए बंद कर दिया गया था। रनवे 11आर/29एल (तीसरा रनवे) का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया और इसको फिर से सेवा में लाने के लिए सभी जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिल गई हैं। डीआईएल, अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी जीएमआर समूह के नेतृत्व वाले समूह और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का संयुक्त उपक्रम है। इस साल फरवरी में शुरू हुए जीर्णोद्धार कार्य के तहत रनवे की सतह को फिर से तैयार करने, रनवे 29एल के स्थायी श्रेणोल्ड को आगे करने, नए रेपिड एग्जिट टेक्सीवे (आरईटी जेड) के निर्माण, एयरफील्ड ग्राउंड लाइटिंग सिस्टम के उन्नयन और रनवे की सतह को मजबूत करने के काम किए गए।

दिल्ली हवाई अड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं आज से मुंबई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं 20 सितंबर से फिर से बहाल होगी। रनवे को मजबूती देने और उन्नयन कार्य के लिए बंद कर दिया गया था। रनवे 11आर/29एल (तीसरा रनवे) का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया और इसको फिर से सेवा में लाने के लिए सभी जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिल गई हैं। डीआईएल, अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी जीएमआर समूह के नेतृत्व वाले समूह और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) का संयुक्त उपक्रम है। इस साल फरवरी में शुरू हुए जीर्णोद्धार कार्य के तहत रनवे की सतह को फिर से तैयार करने, रनवे 29एल के स्थायी श्रेणोल्ड को आगे करने, नए रेपिड एग्जिट टेक्सीवे (आरईटी जेड) के निर्माण, एयरफील्ड ग्राउंड लाइटिंग सिस्टम के उन्नयन और रनवे की सतह को मजबूत करने के काम किए गए।

96 करोड़ का मिलावटी घी सप्लाई किया तिरुपति मंदिर में रोजाना 4 लाख लड्डू मिलावटी घी में बनाए गए थे

एजेंसी►►नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार देर शाम तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी में कथित मिलावट के मामले में सुकृति फूड्स के प्रमोटर केलाश चंद मंगला को गिरफ्तार किया है। ईडी का आरोप है कि असली घी के नाम पर कथित तौर पर मिलावटी घी की सप्लाई की गई थी। एजेंसी के मुताबिक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को एगमार्क स्पेशल ग्रेड काउ घी के नाम पर



रिफाईंड पाम ऑयल, पाम कर्नेल ऑयल, पामोलिन और एसीटिक एसिड एक्टर जैसे केमिकल से तैयार घी सप्लाई किया गया। ईडी ने दावा किया ►►शेष पेज 7 पर

कानून की मदद से रूस के तेल, गैस की दुनिया में बिक्री पर रोक लगाने की तैयारी में अमेरिका

संसद से पारित कानून पर ट्रंप ने किए हस्ताक्षर भारत पर मंडराता 100% टैरिफ का खतरा

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों संसद से पारित किए गए 'द लिंडसे.ओ ग्राहम सैंक्सनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। जिसके बाद अब यह विधेयक एक कानून का रूप ले चुका है और इसकी मदद से वह पूर्ण अधिकार के साथ भारत और चीन सहित दुनिया के कई अन्य देशों पर 100% टैरिफ लगा सकते हैं।

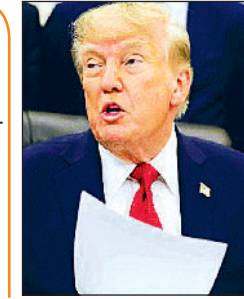
यह जानकारी व्हाइट हाउस ने दी है। वहीं, ये वो देश हैं जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से रियायती दरों पर बड़े पैमाने पर ऊर्जा-पेट्रोलियम उत्पादों (कच्चे-तेल और डीजल) की खरीद कर रहे हैं। टैरिफ के मामले की गंभीरता और इसके दूरगामी प्रभावों को समझते हुए नई दिल्ली ने पहले ही अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने अपना पक्ष स्पष्टता के साथ रख दिया है। जिसमें टैरिफ बढ़ने से सामने आने वाली चिंताएं, व्यापार तथा द्विपक्षीय संबंधों-साझेदारी पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव मुख्य रूप से शामिल है। दूसरी ओर ये भी कहा गया है कि तेल खरीद को लेकर भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की जरूरतों को किसी भी परिस्थिति में पूरा करने करने के लिए प्राथमिकता के साथ प्रतिबद्ध है। टैरिफ

भारत ने अमेरिका के सामने खुलकर रखा अपना पक्ष, राष्ट्रीय हितों से नहीं होगा कोई समझौता, दुनियाभर से करेंगे तेल की खरीद

►►डेमोक्रेट सांसद होयर का आइडिया

अमेरिका की संसद के 100 सदस्यों वाले ऊपरी सदन सीनेट ने इस कानून से पहले लिए गए विधेयक को इसी साल अगस्त महीने में 86-11 वोट से पास कर दिया था। जबकि इसके बाद 435 सदस्यों वाले निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने मौजूदा सप्ताह के बुधवार को 262-159 मतों से इसे हररीड्वॉय प्रदान की। इन सबके बीच एक बड़ा और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि विधेयक में विभिन्न देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने वाला संशोधन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद स्टेनी होयर ने जोड़ा था। यह महज एक संशोधन नहीं था। बल्कि इसमें

बढ़ने से हालांकि अमेरिका से जुड़े भारत के निर्यात बिल में वृद्धि के साथ आगामी समय में देश में महंगाई में भी उछाल



भारत, चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सिंगापुर, अज़रबैजान, कजाकिस्तान, हंगरी, किर्गिस्तान और स्लोवाकिया जैसे विश्व के कुल 10 देशों का नाम सहित उल्लेख किया गया था। जिससे ये साफ हो जाता है कि अगर ये देश भविष्य में रूस से तेल और गैस की खरीद जारी रखते हैं। तो अमेरिकी राष्ट्रपति जब चाहें इन पर भारी भरकम टैरिफ लगाने के लिए पूरी तरह से अधिकृत हैं। इतना ही नहीं ट्रंप प्रशासन के व्यापार प्रतिनिधि प्रत्येक 180 दिन में भारी-भरकम टैरिफ से जुड़ी सूची का आकलन करेंगे।

देखने को मिल सकता है। उधर, कानून के जरिए अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंधों को भी और अधिक सख्त बना दिया है।

►भारत पर पहले लग चुका 50% टैरिफ

यहां बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब अमेरिका ने भारत पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने को लेकर कदम उठाया है। पिछले साल अगस्त महीने में भी इस संबंध में नई दिल्ली पर दुनिया में सर्वाधिक 50% टैरिफ लगाया था। जिसे मौजूदा वर्ष के दूसरे महीने में घटाकर 18% कर दिया गया है। उस दौरान भी भारत ने कहा था कि वह दुनिया के विभिन्न भागों से कच्चे तेल की खरीद करना जारी रखेगा। जिसका

मुख्य आधार वैश्विक स्तर पर बाजारों की स्थिति और तेल की उपलब्धता है। अभी अमेरिकी टैरिफ 10% है। कानून का उद्देश्य केवल रूस के ऊर्जा क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगाना नहीं है। इसकी जड़ में मॉस्को के गुप्त जहाजों के बेड़े को भी शामिल किया गया है। जो कि रूस को तेल की डिलीवरी पर लगे प्रतिबंधों से बचाने में सहायता प्रदान करते हैं।

भारत-अमेरिका बीटीए के लिए बढ़ेगी चुनौती

विदेश मामलों के जानकारों की राय में अभी भारत और अमेरिका के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अंतिम रूप से हस्ताक्षर किए जाने बाकी हैं। दोनों पक्षों के व्यापार प्रतिनिधियों के बीच इस विषय पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। लेकिन इससे ठीक पहले

100% टैरिफ लगाने वाला जो कानून बनाया गया है। उससे बीटीए के मामले में भी जटिलता देखने को मिल सकती है। बहुत संभावना है कि अब भारत समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए और अधिक सोच विचार के साथ आगे बढ़े। जिससे इस मामले में देरी हो सकती है।

भारत ने रूस से की 40% से ज्यादा तेल खरीद

यहां बता दें कि 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से भारत रूस से बड़े पैमाने पर छूट के साथ कच्चे तेल की खरीद कर रहा है। अनुमानित आंकड़ों के हिसाब से वर्तमान में नई दिल्ली द्वारा अपनी कुल आवश्यकता का 40% से अधिक कच्चा तेल मास्को से खरीदा जा रहा है। इस साल अगस्त महीने में प्रतिदिन 20.8 लाख बैरल तेल की खरीद की गई है। ● जबकि जुलाई महीने में यह 28.2 लाख बैरल प्रतिदिन पर था।



एजेंसी►►नई दिल्ली

जापान के नागोया स्थित मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में शनिवार को 20वें एशियन गेम्स का रंगारंग और हाइटेक आगाज हो गया। करीब दो घंटे चले इस भव्य उद्घाटन समारोह की शुरुआत

जापान के राष्ट्रपान से हुई, जिसके बाद जापान की सेल्फ डिफेंस फोर्स के 9 सदस्यों ने राष्ट्रीय ध्वज को मंच तक पहुंचाया और ध्वजारोहण किया गया। समारोह में जापान के सम्राट नारहितो ने महारानी मासाको, ओलंपिक कार्डिनल ऑफ एशिया (ओसीए) के अध्यक्ष शोख जुआन बिन

हमद अल थानी और इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी (आईओसी) की अध्यक्ष कस्टी कोवेंटी की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर खेलों की शुरुआत की घोषणा की। समारोह के दौरान 45 देशों और ओसीए रिप्यूजी टीम सहित कुल 46 दलों ने एथलीट परेड ►►शेष पेज 7 पर

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का मूलस्तर एक दशक में बदला-बदला सा नजर आएगा

ज्ञान, विज्ञान, आधुनिक शिक्षा और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम है भारतीय शिक्षा बोर्ड: डॉ. एनपी सिंह

देश के गर्वित इतिहास से सवाल होंगे, तेजी से लागू किया जा रहा

शिथिर सोनी►►नई दिल्ली

क्या आपको यूपीएससी की परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों ने इस बार हैरान किया था? क्यों? क्योंकि सवाल भारतीयता से, भारतीय संस्कृति और उसके पुरातन विविधताओं से था? अगर हां तो तय मानिए देश के सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का मूलस्तर एक दशक में बदला बदला सा नजर आएगा। हर प्रतियोगी परीक्षाओं में देश के गर्वित इतिहास से सवाल होंगे। जैसे-जैसे देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तेजी से लागू किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' एक सशक्त और वैकल्पिक राष्ट्रीय बोर्ड ►►शेष पेज 7 पर



औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति और भारतीय ज्ञान प्रणाली

एक सवाल के जवाब में डॉ. एन पी. सिंह ने स्पष्ट किया कि 1835 के शिक्षा अधिनियम और औपनिवेशिक (मैकाले) प्रभाव के कारण भारत की मूल ज्ञान परंपराओंगणित, जीवन विज्ञान, दर्शनशास्त्र और अन्य क्षेत्रों को पाठ्यक्रम में केवल एक फुटनोट (हाशिए) की तरह रख दिया गया था।

इसके परिणामस्वरूप, सदियों से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था सिर्फ नौकरी चाहते वाले लोग तैयार करने तक सीमित होकर रह गई। जब कि भारतीय शिक्षा बोर्ड का मुख्य उद्देश्य ऐसे ग्लोबल सिटीजन (वैश्विक नागरिक) तैयार करना है जो अपनी भारतीय जड़ों, ►►शेष पेज 7 पर

सीबीएसई और अन्य बोर्डों से भिन्न है भारतीय शिक्षा बोर्ड

भारतीय शिक्षा बोर्ड अन्य राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों से किस प्रकार भिन्न है, इस सवाल के जवाब में डॉ. सिंह ने बताया कि शैक्षणिक स्तर पर समानता होने के बावजूद दोनों के शिक्षा दर्शन में अंतर है। भारतीय शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम का स्वरूप का स्वरूप कुछ इस तरह तैयार किया जा रहा है किबोर्ड के पाठ्यक्रम में वेदों, उपनिषदों, भगवद्गीता, जैन व बौद्ध दर्शन के साथ-साथ महान ►►शेष पेज 7 पर

मविष्य की तैयारी और विस्तार

देशभर में नये बोर्ड को लेकर अभिभावकों और स्कूलों में बढ़ती दिलचस्पी पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 1000 स्कूल इस बोर्ड से जुड़े चुके हैं। डॉ. एनपी सिंह ने बताया कि दर्जन भर मिशनरी संचालित स्कूल और कुछ मदरसों ने भी भारतीय शिक्षा बोर्ड की महत्ता समझते हुए एफिलिएशन लिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकी युग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि बोर्ड तकनीक के केवल तकनीकी इस्तेमाल तक सीमित न रहकर उसके रचनात्मक और संतुलित उपयोग पर ध्यान ►►शेष पेज 7 पर

नलखेड़ा के बगलामुखी मंदिर में पूजन कराने आए थे

उफनते नाले में बही कार 8 की मौत, 7 ओडिशा के



हरिभूमि न्यूज़►►नलखेड़ा

नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर के पास बरसाती नाले में कार बहने से 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 3 बच्चे, 2 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। 7 मृतक ओडिशा के रहने वाले थे, जबकि कार ड्राइवर अरुण गोयल आगर-मालवा के बड़ौदा का निवासी था। सभी श्रद्धालु उज्जैन से कार किराए पर लेकर मां बगलामुखी मंदिर दर्शन के लिए आए थे। एसपी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि हादसा रात करीब 1:30 से 3 बजे के बीच तेज बारिश के दौरान हुआ। नलखेड़ा में पिछले 24 घंटे में 3.7 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी। मंदिर के मुख्य द्वार से करीब 50-60 फीट दूर पुलिया के पास पानी का तेज बहाव था।►►शेष पेज 7 पर

नलखेड़ा में पिछले 24 घंटे में 3.7 इंच रिकॉर्ड बारिश

गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम, दुकानें बंद

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने इस हादसे के लिए प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार बताया। कहा कि तहसील या जिला प्रशासन के पास इतना तो फंड रहता है कि एक छोटी सी पुलिया बनाई जा सके। स्थानीय लोगों ने आंबेडकर चौराहे पर चक्काजाम किया गया और कई दुकानदारों ने स्ट्रेचर से दुकानें बंद कर दीं। बड़ी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर तैनात रहे। लोगों ने पुलिया पर बैरिकेडिंग और पुलिस व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए।

पुलिया पर था करीब 4 फीट पानी

स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे के समय पुलिया पर करीब 3-4 फीट पानी था और बैरिकेड्स नहीं लगे थे। मौके पर एक तरफ की रैलिंग टूटी हुई भी मिली। हालांकि, कार टूटी रैलिंग से टकराकर नाले में गिरी, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। कलेक्टर शेर सिंह मीणा के मुताबिक ब्रिज के दोनों ओर स्थायी लोहे की बैरिकेडिंग लगी है। कार ब्रिज से बहकर यहां पहुंची या किसी दूसरे रास्ते से नाले में गिरी, इसकी जांच की जा रही है।

एशियन गेम्स का धमाकेदार आगाज, मनु भाकर-पवन सहरावत ने लहराया भारत का तिरंगा

खबर संक्षेप

कनिका कौशिक ने प्राप्त की मानद डॉक्टरेट की डिग्री

गाजियाबाद। जीडीए विकास प्राधिकरण (जीडीए)में ओएसडी के पद पर तैनात कनिका कौशिक ने

पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन से मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की है। डिग्री प्राप्त करने के बाद से कनिका कौशिक अब डॉक्टर कनिका कौशिक कहलाएंगी। विकास प्राधिकरण के इतिहास में ओएसडी के पद पर तैनात पहली महिला अधिकारी ने पीएचडी मानद डॉक्टरेट हासिल की है।

श्री गणेशोत्सव में डांस प्रतियोगिता का आयोजन

फरीदाबाद। महाराष्ट्र मित्र मंडल द्वारा आयोजित सार्वजनिक श्री गणेशोत्सव के अंतर्गत गांधी

कॉलोनी स्थित श्री गणेश पार्क में महिलाओं की विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले खेल में महिलाओं को एक ही माचिस की तिली से अधिकतम मोमबत्तियां जलानी थीं।

चोरी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना सेक्टर-17 क्षेत्र से फॉन्ट्रियन गाड़ी चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा

सिकरोना की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-16 के रहने वाले एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-17 में शिकायत दी थी।

52 साल के मौसम आंकड़ों के अध्ययन में खुलासा

गुरुग्राम-दिल्ली समेत पूरे एनसीआर पर बढ़ा भीषण गर्मी का खतरा, हर दशक 40 प्रतिशत तक बढ़ा दायरा

हरिभूमि न्यूज ►►गुरुग्राम

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत में आने वाले वर्षों में अत्यधिक गर्मी का प्रभाव और व्यापक होने की चिंता बढ़ गई है। 1971 से 2022 तक के मौसम आंकड़ों पर आधारित एक अध्ययन में सामने आया है कि मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अत्यधिक तापमान से प्रभावित क्षेत्र हर दशक 20 से 40 प्रतिशत तक बढ़ा

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

स्वर्णकार समाज फरीदाबाद यूनिट द्वारा स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक पहल निःशुल्क मैमोग्राफी एवं स्वास्थ्य जांच शिविर रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद संस्कार एवं स्वर्णकार समाज फरीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क मैमोग्राफी एवं स्वास्थ्य

सेवा संकल्प अभियान: मॉडल संस्कृति स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

विधायक मूलचंद शर्मा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज बल्लभगढ़ क्षेत्र में विभिन्न जनसेवा एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सेक्टर-10 में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं एवं आमजन को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा मौजूद रहे। साथ ही डॉ. प्रदीप वशिष्ठ भी उपस्थित रहे। उन्होंने संवाद के साथ लोगों को प्रसाद वितरित किया और कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से सामाजिक सेवा एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। इसके साथ ही सेवा संकल्प अभियान के तहत बल्लभगढ़ के अंबेडकर चौक स्थित मॉडल

मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान सागर में नैया डार दर्ई भजन गायक ने दिया नगर आयुक्त के साथ स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ►►गाजियाबाद

हनुमान अंश फिल्म के सुप्रसिद्ध गायक कलाकार सुनील लोधी गाजियाबाद नगर निगम पहुंचे, क्षेत्रीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों पार्षदों, निगम अधिकारियों, निगम कर्मियों तथा नगर आयुक्त गाजियाबाद से मुलाकात की और भजनों को गया। जिसमें मुख्य रूप से हनुमान अंश फिल्म में गया हुआ भजन मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान सागर में नैया डाल दर्ई उपस्थित जनों को सुनाया, उपस्थित पार्षदों ने तथा निगम की टीम द्वारा जय

गाजियाबाद की जनता को जीडीए जल्द देगा ‘संस्कृत दर्शन पार्क’ का अनूठा उपहार

भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और संस्कृत भाषा के गौरव से नई पीढ़ी को जोड़ने की अभिनव पहल

यह पार्क अब अपने पूर्ण स्वरूप की ओर तेजी से अग्रसर है

हरिभूमि न्यूज ►►गाजियाबाद

भारतीय संस्कृति, सनातन ज्ञान परंपरा एवं संस्कृत भाषा के गौरवशाली इतिहास को आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप में जनसामान्य तक पहुंचाने की दिशा में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) इंदिरापुरम में विकसित कर रहा है। जिसका नाम संस्कृत दर्शन पार्क रखा गया है। यह पार्क अब अपने पूर्ण स्वरूप की ओर तेजी से अग्रसर है। लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे इस अनूठे पार्क के निर्माण एवं विकास कार्यों का जीडीए द्वारा नियमित रूप से निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की जा रही

पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ रामलीला का पूर्वाभ्यास, 10 अक्टूबर से होगा भव्य मंचन

इश्वर से प्रार्थना कर आशीर्वाद प्राप्त किया फरीदाबाद। कुमाऊं सांस्कृतिक मंडल, जगदंबा मंदिर चाली चौक द्वारा आयोजित होने वाली ऐतिहासिक रामलीला के मंचन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। रामलीला के पूर्वाभ्यास का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना और इश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद किया गया। पूर्वाभ्यास शुरू करने से पहले जगदंबा मंदिर प्रांगण में पुरोहित श्री भुवन जोशी के सानिध्य में कुमाऊं

हनुमान अंश फिल्म के गायक कलाकार को नगर आयुक्त और पार्षदों ने किया सम्मानित, जय श्री राम बोल किया जय घोष



श्री राम का जय घोष किया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक तथा सुनील लोधी गायक की विशेष मुलाकात रही दोनों ने मिलकर शहर वासियों से स्वच्छता की अपील भी की, शहर निवासियों द्वारा अपने घर को स्वच्छ रखना व शहर को स्वच्छ रखना ही सच्ची भक्ति और अपने देश के प्रति सच्चा प्रेम है स्वच्छता की अपील की गई मौके पर उपस्थित पार्षदों द्वारा भजन

गायक सुनील लोधी से उनके जीवन से जुड़े हुए प्रश्न भी किए गए जिनका बहुत ही सहजता से जवाब दिया गया गाजियाबाद नगर निगम में भक्ति मय माहौल रहा, पार्षदों तथा नगर आयुक्त द्वारा हनुमान अंश फिल्म के भजन गायक कलाकार का शॉल और पटका पहनाकर सम्मानित किया गया राम दरबार और मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया गया।



है। संस्कृत दर्शन पार्क को इस प्रकार विकसित किया जा रहा है कि यहां आने वाले लोगों को मनोरंजन के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं ज्ञान परंपरा से परिचित होने का अवसर प्राप्त हो। पार्क में वेद, उपनिषद, महाकाव्य, भारतीय दर्शन एवं संस्कृत साहित्य से संबंधित महत्वपूर्ण विषय-वस्तु को आकर्षक, रोचक एवं आधुनिक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे विशेष रूप से युवा पीढ़ी एवं बच्चों



में भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति रुचि और जिज्ञासा विकसित हो सके। पार्क में विभिन्न विषयों पर आधारित थीम आधारित संरचनाएं, संस्कृत के श्लोक एवं सूक्तियां, आकर्षक लैंडस्केपिंग, फाउंटन एवं जल संरचनाएं, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था तथा जनसुविधाओं का समावेश किया जा रहा है। संस्कृति, प्रकृति एवं आधुनिकता के समन्वय वाले विशिष्ट सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

इनका कहना है

यह पार्क गाजियाबाद के नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं एवं पर्यटकों के लिए ऐसा स्थान बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जहां वे भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा और हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक एवं आकर्षक वातावरण में जान और समझ सकेंगे।

नंदकिशोर कलाल-उपाध्यक्ष जीडीए

ब्रेस्ट में गांठ दिखे तो शर्म नहीं, जांच जरूरी: डॉक्टर आलोक नारंग

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

ब्रेस्ट में गांठ महसूस होने पर महिलाएं अक्सर असहज हो जाती हैं और कई बार शर्म या झिझक के कारण इसकी



जांच करने में संकोच करती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेस्ट में किसी भी तरह की गांठ या असामान्य बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। डॉ. आलोक नारंग

ऑन्कोलॉजी एवं ब्रेस्ट कैंसर विशेषज्ञ मैरिगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद ने बताया कि ब्रेस्ट में मुख्य रूप से दो तरह की गांठें हो सकती हैं, सौम्य और घातक।

लगभग 60 से 80 प्रतिशत ब्रेस्ट गांठें गैरकैंसरयुक्त यानी सौम्य होती हैं। गांठ होने के कई कारण हो सकते हैं और हर गांठ कैंसर नहीं होती। हार्मोनल बदलाव, संक्रमण या अन्य कारणों से भी गांठ हो सकती है। हालांकि गांठ का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकता है। इसलिए महिलाओं को शर्म या डर के कारण जांच में देरी नहीं करनी चाहिए। डॉक्टर नारंग ने बताया कि ब्रेस्ट में गांठ महसूस होना अपने आप में घबरााने का कारण नहीं है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना भी सही नहीं है।

डॉक्टर से जांच कराएं अपनी सेहत को प्राथमिकता दें

पीएम मोदी के जन्मदिन पर सरस्वती ग्लोबल स्कूल में आयोजित हुई चित्रकला प्रतियोगिता

बच्चों ने कैनवास पर उकेरे सपनों के भारत के रंग, मोदी जी के संग : मंत्री राजेश नागर

मंत्री नागर ने विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सरस्वती ग्लोबल स्कूल सेक्टर-105 फरीदाबाद में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों और चित्रों के माध्यम से कैनवास पर उकेरा। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

मंत्री राजेश नागर ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के मन में भारत के भविष्य को लेकर जो सपने हैं, उन्हें कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने का यह एक सुंदर प्रयास है। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे ही भविष्य के भारत के निर्माता हैं। इसलिए उन्हें बड़े सपने देखने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने के लिए निरंतर प्रेरित किया जाना चाहिए। राजेश नागर ने कहा कि



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित मेरे सपनों का भारत जैसी प्रतियोगिताएं बच्चों को अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता को सामने रखने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह ऐसा भारत बनाने का सपना देखें, जो विकसित, आत्मनिर्भर, सशक्त और संस्कारों से समृद्ध हो। प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों को तीन आयु वर्गों में विभाजित किया गया था। तीसरी से पांचवीं कक्षा के वर्ग में रिद्धिमान ने प्रथम, आराध्या ने द्वितीय और ओजस्वी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छठवीं से आठवीं कक्षा के वर्ग में यशिका प्रथम, द्रोण द्वितीय और तन्वी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार नौवीं से बारहवीं कक्षा के वर्ग में श्रेया ने प्रथम, भूमि ने द्वितीय और कन्हैया ने तृतीय स्थान हासिल किया।

नई सड़क से आवासीय क्षेत्रों की आवाजाही सेक्टर-49 को एसपीआर से जोड़ने वाली 24 मीटर चौड़ी सड़क शुरू

भक्ति के साथ स्वच्छता का संदेश दिया

पार्षदों द्वारा गाजियाबाद नगर निगम टीम का विशेष आयोजन पर धन्यवाद किया गया, शहर में रफ्तार से हो रहे विकास कार्यों के साथ साथ पर्यावरण पर भी कार्य हो रहा है इसी श्रृंखला में गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रसन्नता जाहिर की, इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए जिससे शहर में और निगम में सकारात्मक माहौल बना रहे

और धर्म पर चलते हुए सभी वर्ग अपने-अपने कार्य को करें बात रखी गई, मौके पर पार्षद मनोज त्यागी, प्रदीप चौधरी, नीरज गोयल, सुमन जाटव, कुलदीप त्यागी, सुभाष चौधरी, विनिल त, रेखा गोस्वामी, मधुकर त्यागी, अमित त्यागी व अन्य उपस्थित रहे, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उत्साह का भाव देखा गया, स्वच्छता की बात भक्ति के साथ का संदेश दिया गया।

नई सड़क से आवासीय क्षेत्रों की आवाजाही सेक्टर-49 को एसपीआर से जोड़ने वाली 24 मीटर चौड़ी सड़क शुरू



हरिभूमि न्यूज ►►गुरुग्राम

सेक्टर-49 और सदरन पैरिफेरल रोड (एसपीआर) के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए 24 मीटर चौड़ी नई सरकारी सड़क आम जनता के लिए खोल दी गई है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हरियाणा सरकार के सहयोग से सड़क द्वारा पहले से अधिग्रहित जमीन पर इस सड़क का निर्माण किया है। सड़क को उद्घाटन हरियाणा सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, विदेशी सहयोग एवं सैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह ने किया। नई सड़क से सेक्टर-49 और एसपीआर के बीच अतिरिक्त संपर्क मार्ग उपलब्ध होगा। इससे आसपास के कई आवासीय समुदायों के लोगों की रोजाना आवाजाही आसान होगी और एसपीआर तक पहुंच बेहतर होगी। डीएवी पब्लिक स्कूल, साईं मंदिर समेत आसपास के प्रमुख स्थानों तक पहुंच भी सुगम होगी। गोदरेज एस्टीरेटेड के पास बनी यह

किसी भी लक्षण को नजर अंदाज न करें

यदि गांठ लगातार बनी रहे, आकार में बदलाव, असामान्य साव, त्वचा में बदलाव या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई दें तो जल्द डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। समय पर जांच से गांठ की प्रकृति का पता लगाया जा सकता है और जरूरत पड़ने पर उपचार भी समय रहते शुरू किया जा सकता है। महिलाओं से अपील है कि ब्रेस्ट में किसी भी तरह की गांठ या असामान्य बदलाव महसूस होने पर शर्म और झिझक को दूर कर समय पर डॉक्टर से जांच कराएं। अपनी सेहत को प्राथमिकता दें और किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करें।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

84-भारतीय नागरिक सुस्था संहिता-2023

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त असगर सैफी पुत्र स्व. शफीउद्दीन निवासी मकान नं. 4195, गली सथारा निया चावडी बाजार, मेट्रो स्टेशन, अजमेरी गेट, दिल्ली-06 ने एफआईआर संख्या 867/2014 धारा 498-ए/406/34 भा.द.स. के तहत थाना: जाफराबाद, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त असगर सैफी मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त असगर सैफी फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर संख्या 867/2014 धारा 498-ए/406/34 भा.द.स. के तहत थाना जाफराबाद, दिल्ली के उक्त असगर सैफी से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 22.10.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार पूजा सुहाग न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी महिला कोर्ट-03 कपरा नं.08, द्वितीय तल शाहदरा जिला कड़कड़बुझा कोर्ट, दिल्ली

DP/12247/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त विकास बत्रा पुत्र श्री कृष्ण बत्रा निवासी मकान नंबर 57, त्यागी मोहल्ला चौपीओ झरतीकरा नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 349/25 भा.द.सं. की धारा 420 के तहत, थाना छावला, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त विकास बत्रा मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त विकास बत्रा फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 349/25 भा.द.सं. की धारा 420 के तहत, थाना छावला, दिल्ली के उक्त अभियुक्त विकास बत्रा से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए 28.10.2026 को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार सुश्री अंजलि राव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-13 कपरा नं.505, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/12920/DW/2026

इसू चुनाव में एबीवीपी ने मारी बाजी

एनएसयूआई का नहीं खुला खाता



‘राष्ट्र प्रथम के संस्कारों’ में युवा विश्वास की है जीत : रेखा गुप्ता



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसू चुनाव में एबीवीपी की शानदार विजय पर सभी युवा साथियों को हार्दिक बधाई दी। अध्यक्ष पद पर यश डबास, सचिव पद पर रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद पर लक्ष्य राज सिंह की जीत ‘ज्ञान, शील और एकता’ तथा

राष्ट्र प्रथम के संस्कारों में युवा विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि डीयू और इसू से मेरा जुड़ाव बेहद आत्मीय है। इसी परिसर ने छात्र जीवन से लेकर इसू के अध्यक्ष के दायित्व तक मेरी यात्रा को आकार दिया। इसलिए आज की यह ऐतिहासिक विजय मेरे लिए विशेष प्रसन्नता का क्षण है। युवाओं का यह प्रचंड समर्थन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और विकसित भारत के संकल्प पर उनके अटूट विश्वास की मुहर है। मुख्यमंत्री ने सभी विजयी प्रत्याशियों को उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।



हॉस्टल, पीजी की सुरक्षा ऑडिट मेरा पहला कान होगा : यश डबास

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (इसू) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष यश डबास ने शनिवार को कहा कि उनका पहला काम सभी कॉलेज हॉस्टल और पीजी का सुरक्षा ऑडिट कराना होगा। डबास ने कहा कि यह जीत सामाजिक सद्भाव, देशभक्ति और एकता की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन एबीवीपी ने इसू चुनाव में केंद्रीय पैनल के चार में से तीन पदों पर जीत हासिल की। अध्यक्ष पद की दौड़ में डबास को 24,576 मत मिले और उन्होंने एनएसयूआई के विजय शंकर मीणा को 2,053 मतों से हराया। यश डबास ने कहा कि डीयू के विद्यार्थियों ने विमाननकारी ताकतों को स्पष्ट संदेश दिया है कि जैन-जी समरक्षता और राष्ट्रवाद में विश्वास रखता है। मैं इस विश्वास को जिम्मेदारी में बदलते हुए प्रत्येक विद्यार्थी की आवाज को छात्रसंघ के माध्यम से मजबूती से उठाऊंगा।

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ (इसू) चुनाव 2026 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने चार में से तीन पदों पर शनिवार को मतदान परिणामों के बाद जीत हासिल की। एबीवीपी के यश डबास अध्यक्ष बने हैं। वहीं, रिया छावड़ी को सचिव और लक्ष्यराज सिंह को संयुक्त सचिव पद पर जीत मिली। उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने जीत दर्ज की। उन्हें 30 हजार से ज्यादा वोट मिले। बताया जाता है कि पिछले 17 सालों में यह पहली बार है जब इसू के केंद्रीय पैनल में कोई निर्दलीय उम्मीदवार जीता है। इससे पहले 2009 में निर्दलीय मनोज चौधरी और 1991 में निर्दलीय राजीव गोस्वामी इसू अध्यक्ष बने थे। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई को इस बार एक भी पद हासिल नहीं हुआ। इसू चुनाव के लिए शुक्रवार को 52 कॉलेजों में मतदान हुआ था। इसमें 40.46 प्रतिशत मतदान हुआ था और 1 लाख 51 हजार 519 छात्रों में से 61 हजार 312 ने मतदान किया। वहीं, इसू चुनाव में जीत के बाद एबीवीपी के अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव और कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया।

अपनी जिम्मेदारियों को भी समझता है डीयू का छात्र : छावड़ी

नवनिर्वाचित सचिव रिया छावड़ी ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय का जैन-जी जागरूक है और अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों को भी समझता है। विद्यार्थियों ने जिस विश्वास के साथ मुझे जिम्मेदारी दी है, उसके लिए मैं आभार व्यक्त करती हूं। छात्रों की सुरक्षा, बेहतर छात्र सुविधाएं, समान अवसर और एक सकारात्मक अकादमिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कार्य करना मेरी प्राथमिकता होगी।

सत्य निकेतन घटना में जान गंवाने वालों के लिए न्याय की मांग : शौकीन

एनएसयूआई से टिकट न मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उपाध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने और 30,615 वोट पाकर जीतने वाले दीपांशु शौकीन ने सत्य निकेतन इमारत हादसे में मारे गए लोगों को न्याय दिलाने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी प्राथमिकताएं तय हुईं। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता छात्रों के अधिकारों के लिए लड़ना और सत्य निकेतन घटना में जान गंवाने वालों के लिए न्याय की मांग करने की होगी। पैदल प्रचार के दौरान मुझे जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, उससे मुझे दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग एक लाख लाख 50 हजार छात्रों की परेशानियों की याद आ गई, और मैं उनकी चिंताओं को दूर करने और उनके अधिकारों के लिए लड़ने का प्रयास करूंगा। बौद्ध अध्ययन विभाग से स्नातकोत्तर (एमए) कर रहे शौकीन, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बस संचालक और आंगनवाड़ी शिक्षिका के बेटे हैं और पश्चिमी दिल्ली के पीरागढ़ी गांव के रहने वाले हैं।

समस्याओं के समाधान को लेकर निरंतर उपलब्ध रहेंगे: लक्ष्य राज सिंह

नवनिर्वाचित सह-सचिव लक्ष्य राज सिंह ने कहा कि यह परिणाम एबीवीपी की सांगठनिक एकजुटता और विद्यार्थियों के विश्वास का परिणाम है। संगठन

के निर्णय के अनुरूप सभी कार्यकर्ताओं ने एकमत होकर कार्य किया और विद्यार्थियों ने उस कार्यपद्धति को अपना समर्थन दिया। अब हमारी जिम्मेदारी है कि

इस विश्वास को जमीनी कार्य में बदलें और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर उपलब्ध रहेंगे।

‘विकसित भारत’ के विजन पर छात्रों की मोहर है यह जीत: हर्ष मल्होत्रा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यह जीत ‘छात्र शक्ति - राष्ट्र शक्ति’ के मंत्र की जीत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘विकसित भारत’ के विजन पर छात्रों की मोहर है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को एबीवीपी की जीत पर यह बात कही। उन्होंने कहा है कि इसू चुनाव 2026 में एबीवीपी की ऐतिहासिक जीत, दिल्ली के छात्रों के राष्ट्रवादी संकल्प की जीत है। यह जीत केवल 3 पदों की जीत नहीं है। यह उन ताकतों की हार है जो केपस को राजनीति का अखाड़ा बनाकर युवाओं को जैन-जी का नाम देकर उनको गुमराह करना चाहती थीं। ये वो लोग थे जो युवाओं के हाथ में किताब की जगह नफरत का झंडा देना चाहते थे। जो देश की एकता को तोड़कर, टुकड़े-टुकड़े गैंग का एजेंडा डीयू के हॉस्टलों तक लाना चाहते थे। शनिवार को डीयू के छात्र-छात्राओं ने साफ संदेश दे दिया है कि दिल्ली का युवा अब झुठे वादों और हिदेशी फंडिंग वाली राजनीति को नकारता है। आज का युवा जागरूक है और वो जानता है कि देश का भविष्य राष्ट्रवाद, राष्ट्र निर्माण और शिक्षा में है, न कि अराजकता और हिंसा में।



लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में डटे रहे हमारे कार्यकर्ता : एबीवीपी

नई दिल्ली। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि चुनाव के दौरान हिंसा और फर्जी माध्यमों से मतदान कराने के प्रयास सामने आए, लेकिन एबीवीपी कार्यकर्ता संयम के साथ लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में डटे रहे। एबीवीपी में पैनल हड़िंरा भवन में बैठकर नहीं बनाए जाते हैं, बल्कि इसकी पूरी सांगठनिक प्रक्रिया निर्धारित है और विद्यार्थियों के मत से लोकतांत्रिक तरीके से प्रत्याशियों का चयन होता है। एबीवीपी दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि इसू चुनाव के परिणाम ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस की राजनीतिक मशीनरी के सहारे छात्र राजनीति में सफलता संभव नहीं है। कांग्रेस की पूरी राजनीतिक मशीनरी, एनएसयूआई, आम आदमी पार्टी और अन्य संगठनों की सक्रियता के बावजूद डीयू के विद्यार्थियों ने अपना स्पष्ट जनदेश दिया है।

इसू चुनाव में कथित भेदभाव और अनियमितताओं ने डीयू की निष्पक्षता पर उदाए सवाल : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (इसू) चुनाव के दौरान सामने आई कथित अनियमितताओं और उम्मीदवारों के साथ कथित भेदभाव पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। दिल्ली कांग्रेस का कहना है कि छात्र संघ चुनाव लोकतांत्रिक मूल्यों और निष्पक्षता का प्रतीक होना चाहिए, लेकिन चुनाव प्रक्रिया में सामने आई शिकायतों ने विश्वविद्यालय प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यादव के अनुसार एनएसयूआई उम्मीदवारों को कुछ कॉलेज परिसरों में प्रचार की अनुमति नहीं दिए जाने, जबकि एबीवीपी उम्मीदवारों को कथित तौर पर प्रचार के लिए स्थान उपलब्ध करवाए जाने के आरोप सामने आए हैं।

बारापुल्ला फेज तीन 29 सितंबर को उद्घाटन के लिए तैयार: प्रदेश

नई दिल्ली। लंबे समय से लंबित बरापुल्ला फेज तीन कॉरिडोर अब 29 सितंबर को उद्घाटन के लिए तैयार है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहेंगी। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को परियोजना स्थल का दौरा कर अंतिम तैयारियों की समीक्षा के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरे हो चुके निर्माण कार्यों का जायजा लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित समारोहों के दौरान हो रहा है। इस अवधि में दिल्ली सरकार द्वारा जनहित से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। बारापुल्ला फेज तीन पूर्वी दिल्ली के मथुरा विहार फेज 1 को सराय काले खा से जोड़ते हुए पुराने और दक्षिण दिल्ली की ओर सिग्नल-फ्री कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह सराय काले खा स्थित मौजूदा बरापुल्ला कॉरिडोर से जुड़ेगा, जिससे पूरा कॉरिडोर लगभग 9 किलोमीटर का हो जाएगा।

दिल्ली के विकास के साथ उसकी प्राकृतिक विरासत को भी मजबूत करेगी सरकार : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली के विकास के साथ उसकी प्राकृतिक विरासत को भी सरकार मजबूत करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने बताया कि कहा कि दिल्ली की पारिस्थितिक सुरक्षा, हरित आवरण और वायु गुणवत्ता को मजबूत करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने प्रभावी कदम उठाया है। सरकार ने दक्षिणी रिज की करीब 1,000

एकड़ (400 हेक्टेयर) अतिरिक्त भूमि को आरक्षित वन के रूप में अधिसूचित करने की स्वीकृति दे दी है। इस निर्णय के बाद अधिसूचित रिज क्षेत्र बढ़कर करीब 13 हजार एकड़ (5,250 हेक्टेयर) हो जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह निर्णय भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 20 के अंतर्गत लिया गया है। दिल्ली रिज राजधानी की प्राकृतिक विरासत होने के साथ-साथ उसका हरित सुरक्षा-कवच है। रिज का संरक्षण केवल

पेड़ों और वन क्षेत्र को बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिल्ली की स्वच्छ हवा, जैव विविधता, तापमान संतुलन और पर्यावरणीय सुरक्षा से सीधे जुड़ा विषय है। सरकार रिज के अधिक से अधिक पात्र क्षेत्रों को स्थायी वैधानिक संरक्षण देने के साथ-साथ क्षतिग्रस्त पारिस्थितिक क्षेत्रों के वैज्ञानिक पुनर्जीवन पर भी विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि रिज के विभिन्न क्षेत्रों की अंतिम अधिसूचना की प्रक्रिया लंबे समय से

लंबित थी। उनकी सरकार ने इसे प्राथमिकता देते हुए प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया है। सरकार का लक्ष्य दिल्ली रिज का संरक्षण, वैज्ञानिक पुनर्स्थापन और पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है ताकि यह प्राकृतिक क्षेत्र आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि अरावली पर्वत श्रृंखला के विस्तार के रूप में दिल्ली रिज राजधानी के सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक हरित क्षेत्रों में शामिल है।

विधानसभा में मामला उठने के बाद भी सड़कों पर से नहीं हटाए जा रहे हैं डस्टबिन



हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

विधानसभा के मानसून सत्र में डस्टबिन का मामला उठने के बाद भी सड़कों पर से डस्टबिन अभी तक नहीं हट पाए हैं। पांडव नगर की बात करें तो यहां की सड़क अभी भी डस्टबिन रखे हुए हैं। दरअसल इन डस्टबिनों को कूड़ा डालने के लिए रख गया है लेकिन समय से इन डस्टबिनों के न उठने से इनका कूड़ा सड़क पर फैल जाता है और आने जाने वाले लोगों को बदबू का सामना करना पड़ता है।

गौरतलब है कि लक्ष्मीनगर के विधायक और भाजपा दल के मुख्य सचेतक अभय वर्मा ने मानसून सत्र के दौरान नियम विशेष उल्लेख 280 के तहत विधानसभा के सदन में डस्टबिन और कूड़ा संबंधी मामला उठाते हुए मांग की थी कि उनके क्षेत्र में कई सड़कों पर कूड़े डस्टबिन रखे हैं। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने ने सदन में कहा था कि उनके क्षेत्र की प्रमुख बाजारों, चौराहों, सड़कों पर डस्टबिन रखे हैं।

लेकिन इनके समय पर उठने के कारण इनका कूड़ा सड़क पर फैला रहता है और भयंकर बदबू आती है। जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। इसलिए इन डस्टबिनों को हटाया जाए। शनिवार को दोपहर की बात करें तो कई सफाई कर्मचारी पांडव नगर की सड़क को साफ कर रहे थे। लेकिन डस्टबिन को नहीं हटाया गया।

उधर कूड़ा निस्तारण प्लांट के पास तो कई डस्टबिन सड़क पर ही रखे हैं। यहां भयंकर बदबू आती है। यहां लाखों रुपयों खर्च करके एक सार्वजनिक शौचालय बनाया गया है लेकिन इस शौचालय को कूड़े डस्टबिन से घेर दिया गया है। जिससे यह सार्वजनिक शौचालय ठप हो गया है। भयंकर बदबू के कारण इस शौचालय में कोई भी जाना पसंद नहीं कर रहा है। अगर यहां डस्टबिन को कूड़ा निस्तारण प्लांट की दूसरी तरफ रखवा दिया जाए तो शौचालय का रास्ता खुल जाएगा और लोग इस शौचालय का प्रयोग कर सकेंगे।

सफाई कर्मी आत्महत्या मामला

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आप पार्षद कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

सफाई कर्मी दीपक को आर्थिक रूप से प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए विवश करने के मामले में आम आदमी पार्टी के त्रिलोकपुरी से निगम पार्षद विजय कुमार की भूमिका सामने आने के बाद इनके इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को त्रिलोकपुरी स्थित निगम पार्षद कार्यालय के बाहर स्थानीय लोगों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व विधायक रविकांत उज्जैनवाल ने और संयोजन निगम पार्षद प्रियंका गौतम ने किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पूरे मामले को निष्पक्ष जांच हो, पीड़ित परिवार को न्याय मिले और यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई



की जाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और निगम पार्षद कार्यालय के स्टाफ के बीच तीखी बहस और झड़प की स्थिति भी उत्पन्न हुई। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने पार्षद विजय कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन में पूर्व उपा महापौर राजकुमार दिल्ली, पूर्व विधायक रोहित महारैलिया, त्रिलोकपुरी मंडल अध्यक्ष सुनील सहित एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक दीपक के परिवार को न्याय नहीं मिलता और पूरे मामले में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित नहीं होती, तब तक वे अपनी आवाज उठाते रहेंगे। विधायक रविकांत उज्जैनवाल ने कहा कि जो लोग दलित और सफाई कर्मी समाज के हितों की बात करने का दावा करते हैं, उनके ही स्थानीय जनप्रतिनिधि ने दलित सफाई कर्मी के साथ अन्याय और उसकी आर्थिक मजबूरी फायदा उठाने का काम किया है।

‘अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जा सकता’

इस मौके पर निगम पार्षद अधिवक्ता प्रियंका गौतम ने कहा कि सफाई कर्मी समाज के लोग दिल्ली की स्वच्छ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि दीपक के मामले में सामने आए गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रियंका गौतम ने कहा कि दीपक के परिवार को न्याय दिलाना केवल एक परिवार की लड़ाई नहीं है, बल्कि उन सभी सफाई कर्मियों के सम्मान और अधिकार को लड़ाई है जो दिल्ली की सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना योगदान देते हैं। हम मांग करते हैं कि इस मामले में आम आदमी पार्टी और संबंधित निगम पार्षद अपनी जिम्मेदारी से न भागें और दीपक के परिवार को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

रेखा गुप्ता सरकार में न्याय के लिए जनता थानों के बाहर बैठने को मजबूर : कुलदीप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के कोडली से विधायक कुलदीप कुमार ने कोडली में 22 वर्षीय युवक की हत्या के प्रदर्शन करने को मजबूर पंडित परिवार को लेकर भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार में न्याय के लिए दिल्ली की जनता थानों के बाहर बैठने के लिए मजबूर है। एक तरफ मंडावली में हुई युवक की हत्या के आरोपी फरार हैं और लगातार पंडित परिवार को धमकी दे रहे हैं तो दूसरी तरफ युवक को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे परिवार की पुलिस सुनने को तैयार नहीं है। इस सरकार में अपराधियों को मिली खुली छूट ने दिल्ली को अपराध की राजधानी बना दिया है।



कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमकड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनएस में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
लथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संगल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं त्रियारे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांघे में लोह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का 'नवरंग'
परवानों की भीड़ लगेगी शम्भा जल जाने के बाद

स्लीपकेशन घुमकड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद



तय्य है स्लीपकेशन

स्लीपकेशन, यात्रा का एक ऐसा रूप है जहां आपका ध्यान आपके आस-पास की हर चीज की खोज से हटकर, खुद से दोबारा जुड़ने पर केंद्रित हो जाता है। कोई जल्दबाजी वाली सुबह नहीं। हर सैकेंड का 'अधिकतम उपयोग' करने का कोई दबाव नहीं। इसके बजाय आप निर्बाध नींद के बाद धीमी, सचेतन सुबह का आनंद ले सकते हैं। एक ऐसा समय बिता सकते हैं, जिसका कोई हिसाब नहीं होता है। वैश्विक स्तर पर इस विचार को लोकप्रियता मिल रही है, क्योंकि लोगों ने यह पहचानना शुरू कर दिया है कि शहरों की आधुनिक जीवनशैली हमें लगातार अतिउत्तेजित और चुपचाप थका देती है। वैसे में एक स्लीपकेशन बिना किसी अपराध बोध के आराम करने की अनुमति देता है। हालांकि भारत में 'स्लीपकेशन' का कॉन्सेप्ट अभी काफी नया है। लेकिन यह धीरे-धीरे सोच-समझकर की जाने वाली यात्राओं का हिस्सा बनता जा रहा है।

नींद की कमी से परेशान हैं लोग

आज के दौर में बेशुमार काम, जिम्मेदारियों, रिश्तों को संभालना और रोजमर्रा की जिंदगी के लगातार मानसिक बोझ के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो गया है। इस बारे में वरिष्ठ मनोचिकित्सक गगनदीप कौर कहती हैं, 'दुनिया में नींद की कमी वाले देशों में जापान के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। देश में नींद की कमी की समस्या पहले से ही मौजूद डायबिटीज, मोटापा,

अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- ▶ इसमें व्यक्ति को सुबह बिना आलार्म के जागना होता है।
- ▶ बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- ▶ अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- ▶ बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर थू ही घूमने निकल जाना।
- ▶ इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- ▶ स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- ▶ मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- ▶ शरीर आराम महसूस करने लगता है।

आज की भाग-दौड़ मरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन मरी नींद की कमी अक्सर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन वया है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।'

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन 'लोकल सर्कलस' का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे



थका हुआ महसूस करते हैं। इस 'स्लीप डेब्ट' को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कुर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, 'आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें। *'

कार्य प्रगति पर है !

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की साफ-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के

यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पट्टिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी,



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर



पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।
जरूर पढ़ लें रिव्यू: जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेंटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेंटिंग की बात है तो रेंटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेंटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।

जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर

देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए। *'



किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्ट्राइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल काट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और जाते-जाते के जरिए को और मजबूत किया जा सके। *'

लघुकथा / कृति आर.के. जैन

पिता का तकिया



कभी नहीं पढ़ा। उसने तर्किए को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं। *'

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवियत्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियाँ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते



हो गया है। इससे भारतीय समाज में शोषित-दमित होकर जीने वाली स्त्रियों के स्वर में वैश्विक आंधी आबादी का स्वर भी घुलता-मिलता नजर आता है। कह सकते हैं कि आरती आस्था के इस कविता संग्रह में स्त्री जीवन की अनेक छवियां उजागर हुई हैं। *'

पुस्तक: छत पर लड़कियाँ (कविता संग्रह), लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

ब्रज का कण-कण लाड़िली जी के आगमन की खुशी में झूमा

डॉ.कमलकान्त उपमन्यु»»मथुरा

बरसाना सहित ब्रज का कण-कण अपनी लाड़िली जी के आगमन की खुशी में झूम उठा। राधारानी के प्राकट्य की खुशी में देश-विदेश से आए श्रद्धालु दर्शन के लिए आतुर नजर आए। भोर की मंगल बेला में बरसाना का भानु भवन बधाई गीतों से गुंज उठा।

जन्मबेला आते ही भवन में बधाई के स्वर गुंज पड़े। सखियों के मुख से निकले मंगल पदों और थाप ने वातावरण को आनंद से भर दिया। ऐसा लगा मानो बरसाना का कण-कण अपनी लाड़ो के आगमन की खुशी में झूम उठा हो। भानु

चहुंओर राधे-राधे की गुंज, मंगल बधाई के स्वर सुनाई दिए



भवन के भीतर जन्म की बधाई गुंज रही थी और बाहर मंदिर की ओर टकटकी लगाए खड़े श्रद्धालुओं के मन में बस एक ही लालसा थी कि वे अपनी आराध्य राधारानी के प्राकट्य दर्शन कर अभिभूत हों। किसी के हाथ प्रार्थना में जुड़े थे, किसी की आंखें भावुक थीं और किसी की जुबान पर



लगातार राधे-राधे का नाम जप था। जन्म की इस पावन बेला में बरसाना की गलियां और परिक्रमा मार्ग तक ऐसा लग रहा था, जैसे पूरा ब्रज अपनी लाड़िली जी के जन्मदिन की खुशी में शामिल था। जिलाधिकारी सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर रखे हुए थे।

खबर संक्षेप

यूपी में 35 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। यूपी में 35 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इनमें पुलिस कमिश्नरेंट, जिलों और



पुलिस मुख्यालय में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है। चारू निगम को एसपी, 112 से पीएस गौजियाबाद भेजा गया है। श्रवण कुमार सिंह को कानपुर नगर से गौतमबुद्धनगर भेजा गया है। वहीं प्रमोद बुद्धनगर को पुलिस उपयुक्त वाराणसी से पुलिस अधीक्षक, साइबर मुख्यालय, लखनऊ को जिम्मेदारी दी गई है।

छिपाकर 71.75 ग्राम हेरोइन ला रहे 4 तस्कर गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली पुलिस के मादक पदार्थों के सेवन, बिक्री और भंडारण पर रोक के लिए चलाए जा रहे



ऑपरेशन नीलकंठ के तहत औद्योगिक थाना की पुलिस ने चक्रमकरंद हाल्ट से 71.75 ग्राम हेरोइन (स्पैक) के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पांच मोबाइल और एक एलईडी टीवी भी जब्त किया है। पुलिस को चकमा देने तस्करों ने मादक पदार्थ को एलइडी टीवी के अंदर छिपा रखा था।

पेज एक का शेष

पटवारी और सिंघार ...

ने मेदानी के लिए अचानक बदवा गए शुल्क और बाधाओं के बावजूद तुरंत फंड का व्यवस्था कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह गैर-राजनीतिक पहल है। वहीं, उमंग सिंघार ने राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था और बार-बार बदले जा रहे स्टैंडों को लेकर पुलिस-प्रशासन से सीधा मोर्चा लिया। राज्य की दुखद घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इंदौर में उठने वाली छात्रों की गुंज का आक्रोश ही देश और प्रदेश में बड़े बदलाव की शुरुआत करेगा।

सिस्टम अंधमवत...

सिस्टम अंधमवत को प्यार करता है और प्रमोट करता है। अंधमवत सवाल नहीं पूछता। देश के सिस्टम पर 6 लोगों का कब्जा।

इसू चुनाव: अध्यक्ष ...

मतों का अंतर रहा। सचिव पद पर भी एबीवीपी की रिया छावड़ी ने जीत दर्ज की। उन्हें कुल 21,650 मत मिले। उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी नमता चौधरी को 14,869 मत प्राप्त हुए। इस पद पर रिया छावड़ी और नमता चौधरी के बीच वोटों का अंतर 6,781 रहा। संकुल सचिव पद के परिणाम में मुकाबला अपेक्षाकृत करीबी रहा। एबीवीपी के लक्ष्य राज सिंह को 16,615 मत मिले, जबकि गोपाल चौधरी को 15,206 मत प्राप्त हुए। इस तरह लक्ष्य राज सिंह ने 1,409 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

इसू में एनएसयूआई ...

आजुने आप में लुगु भारत का दर्शन करता है। यादव ने कहा कि यह जगदीश राहुल गांधी की राजनीति और प्रोपेगंडा की राजनीति को कैसिल करने का जनादेश है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव एक लिटमस टेस्ट की तरह था, जिसमें राहुल गांधी बुरी तरीके से फेल हुए हैं। आज का दिन राहुल गांधी के लिए रियलिटी चेक की तरह है। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों ने साबित कर दिया है कि इस देश में प्रोपेगंडा, झूठ, असरार और नकारात्मकता की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। छात्रों का यह स्पष्ट मत हम लगातार देश के विभिन्न कैंपस और विश्वविद्यालयों में देख रहे हैं। हमने ऐसा ही पहले केरल में देखा, कुछ दिनों पहले पंजाब युनिवर्सिटी में देखा और आज दिल्ली विश्वविद्यालय में देख रहे हैं। कांग्रेस और लेफ्ट का पूरा इकोसिस्टम लंबे समय से देश के युवाओं के बीच एक नैरेटिव गढ़ने का प्रयास कर रहा था, लेकिन आज के दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के परिणामों ने उस नैरेटिव को ध्वस्त करने का काम किया है।

पेज 3 का शेष

उफनते नाले में ...

कार बहने के बाद करीब 100 मीटर दूर तक चली गई, इसलिए रात में हादसे का तत्काल पता नहीं चल सका। सुबह पानी कम होने पर कार की छत दिखाई दी, जिसके बाद स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस और तहसीलदार को सूचना दी। एसडीआरएफ की मदद से कार बाहर निकाली गई और सभी शव बरामद किए गए। इस नाले पर नलखेड़ा के स्थानीय लोग पिछले 10 साल से प्रदूषण बनाने की मांग कर रहे थे ताकि यहां आने वाले श्रद्धालु बारिश के दौरान सुरक्षित रहें। पर पुलिस अवर तक नहीं बन पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राश्ट्रीय राहत काष से 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए के अगुवाह राशि देने का ऐलान किया है। हादसे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

महिलाएं बोलीं- कचरा वाहन से ले गए शव:

वृषभानु दुलारी के जन्मोत्सव पर बरसाना में उमड़ा जनसैलाब



भवन के भीतर जन्म की बधाई गुंज रही थी और बाहर मंदिर की ओर टकटकी लगाए खड़े श्रद्धालुओं के मन में बस एक ही लालसा थी कि वे अपनी आराध्य राधारानी के प्राकट्य दर्शन कर अभिभूत हों। किसी के हाथ प्रार्थना में जुड़े थे, किसी की आंखें भावुक थीं और किसी की जुबान पर



लगातार राधे-राधे का नाम जप था। जन्म की इस पावन बेला में बरसाना की गलियां और परिक्रमा मार्ग तक ऐसा लग रहा था, जैसे पूरा ब्रज अपनी लाड़िली जी के जन्मदिन की खुशी में शामिल था। जिलाधिकारी सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर रखे हुए थे।

818 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सौंपे नियुक्ति पत्र,कहा-

सपा के उपदेशक नेता गिनते जाएं, हम 6 महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज»»लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मिशन रोजगार' के अंतर्गत शनिवार को एक लाख नई नौकरियों का शुभारंभ किया। उन्होंने नवचयनित 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे और उन्हें शुभकामनाएं दीं। सरकार पर प्रश्न खड़ा करने वाले समाजवादी पार्टी के नेताओं से सीएम योगी ने कहा, आप गिनते जाइए, हम छह महीने में एक लाख से अधिक नौजवानों को नियुक्ति देंगे। आज तीन विभागों के नियुक्ति पत्र दे रहे हैं। रविवार को भी लगभग हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे। यह प्रक्रिया अनवरत चलेगी।

यूपी पुलिस में 36 हजार, होमगार्ड में 41-42 हजार युवाओं को नियुक्ति करेंगे। इनके मेडिकल व फिजिकल की प्रक्रिया चल रही है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के अगले छह महीने में जारी होने वाले परिणामों से 25-30 हजार एन युवाओं को अवसर मिलेंगे। उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग से भी 20-25 हजार युवाओं की भर्ती होगी। तीन-चार महीने में इसके परिणाम आ जाएंगे। यूपीपीएससी की परीक्षाओं के उपरांत भी 15-16 हजार युवाओं को अलग-अलग विभागों में नियुक्ति मिलेगी। सीएम योगी ने लोकभवन सभागार में आयोजित भव्य कार्यक्रम में विभिन्न विभागों में चयनित 818 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान मिशन रोजगार पर लघु फिल्म भी दिखाई गई।

» सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगले छह महीनों में उत्तर प्रदेश के एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने मर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और मेरिट आधारित बनाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने आयोगों और मर्ती बोर्डों को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर काम करने की आवश्यकता बताई...

- पुलिस-होमगार्ड में करीब 77 हजार भर्तियों की प्रक्रिया जारी
- उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग से भी 20-25 हजार भर्तियां होंगी



हमने यूपी की स्टूथ को इकॉनमिक अपॉर्च्युनिटी माना

सीएम ने कहा कि 2017 के पहले एक अयोग्य व्यक्ति को उत्तर प्रदेश पब्लिक



न्यायालय को और सड़क पर उतर कर युवाओं को कहना पड़ा कि इसे जिंदगी भर जेल में सड़ाओ। 2017 में युवाओं ने सरकार बदलने का बड़ा फैसला भी लिया। हमारी

सरकार ने पीएम मोदी के विजन के अनुरूप मिशन रोजगार के कार्यक्रम को बढ़ाया। पिछली सरकार नौजवान की शक्ति, ताकत व प्रतिभा को सम्मान नहीं दे पाई, हमने यूपी की स्टूथ को इकॉनमिक अपॉर्च्युनिटी माना। उन्होंने यूपी के अंदर अवसरों को लॉक कर दिया था, हमने उस पोर्टलियल को प्रतिभाशाली युवाओं के जरिए अनलॉक करने का प्रयास किया। इसका परिणाम अब दिख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाशाली युवा जब यूपी की ताकत बनते तो प्रदेश नंबर-1 इकॉनमी के रूप में खुद को स्थापित करेगा।

अब तक साढ़े 9 लाख

नौजवानों को नियुक्ति दी

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक साढ़े 9 लाख नौजवानों को नियुक्ति दी गई है। हम छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। 2017 के पहले गदर मचाने वाले काउंट करें, हम नियुक्ति पत्र देते जाएंगे। 2017 के पहले तत्कालीन सरकार ने आयोगों-बोर्डों में माई-मर्तीजों को बैठाकर पूरी प्रक्रिया को बदनाम कर दिया था। एक भी मर्ती इमान्दारी से नहीं होती थी। युवाओं के सामने एक तरफ कुआं तो दूसरी तरफ खाई थी। यूपी में नौकरी थी नहीं और बाहर पहचान का संकट था, जिससे उनके सपने तार-तार होते थे। तत्कालीन सरकार की भ्रष्ट-भेदभावपूर्ण कार्यप्रणाली व बीमारी मानसिकता के कारण यूपी बीमरू हो गया था।

अखिलेश ने सरकार पर साधा निशाना

रायबरेली में सपा-एबीवीपी विवाद पर सियासी घमासान



सपा कार्यकर्ताओं का आरोप पुलिस ने भी की मारपीट

हरिभूमि न्यूज»»रायबरेली

फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज में समाजवादी छात्र सभा और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के बाद रायबरेली में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सदस्यता अभियान को लेकर शुरू हुई कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की और हंगामे की स्थिति बनी थी। इसके बाद मामला पुलिस और सपा नेताओं के बीच विवाद तक पहुंच गया।

सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एसपी कार्यालय में उनके नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने मारपीट की। सपा विधायक राहुल सोधी और श्याम सुंदर भारती के साथ भी धक्का-मुक्की के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, पुलिस ने

मारपीट के आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उसका हस्तक्षेप कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए था। मामले के विरोध में सपा कार्यकर्ता लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार को शहीद चौक से लेकर एसपी कार्यालय तक प्रदर्शन और मार्च किया गया। सपा कार्यकर्ताओं की मांग है कि शहर कोतवाल शिव शंकर सिंह को निलंबित किया जाए और कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसी विवाद को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सरकार नहीं बल्कि "सजातीयवाद" चल रहा है और सत्ता में बैठे लोग पीड़ोए पर प्रहार कर रहे हैं। ये अखिलेश यादव के राजनीतिक आरोप हैं।

योगी सरकार शुरू करने जा रही इमरजेंसी सर्विस

हादसों के शिकार गोवंश को मिलेगा तत्काल इलाज

एजेसी»»लखनऊ

यूपी में हादसों में घायल होने वाले गोवंश को अब तत्काल उपचार मिल सकेगा। योगी सरकार प्रदेश के हर जिले में गोवंश के लिए आपातकालीन बचाव एवं त्वरित उपचार की व्यवस्था करने जा रही है। वहीं, पंचायत आधारित चिकित्सा की संभावनाओं पर वैज्ञानिक शोध को गति देने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान, मथुरा और राजकीय आर्यवेदिक कॉलेज, लखनऊ में इस दिशा में शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा गो-संरक्षण को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने की भी तैयारी है। महिला स्वयं सहायता



समूहों, एफपीओ, किसानों और गोपालकों को गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग, मूल्यवर्धन और विपणन से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सरकारी आवास पर भेंट के दौरान गो सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की इन विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। आयोग के पदाधिकारियों ने सीएम से प्रदेश में गोवंश संरक्षण, गोशालाओं के बेहतर प्रबंधन, गोवंश के स्वास्थ्य और इस दिशा में भविष्य की कार्ययोजना से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की।

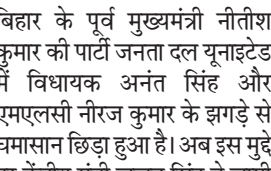
गोशालाओं में निगरानी के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवंश और गोशालाओं के निरामित व प्रमावी निरीक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि निरीक्षण केवल कमियां चिह्नित करने तक सीमित न रहे, बल्कि उनका समयबद्ध ढंग से समाधान भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने गोशालाओं में गोवंश के भरण-पोषण, साफ-सफाई, हरे चारे व भूरी की उपलब्धता, पेयजल और आश्रय की व्यवस्था की निगरानी निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही बीमार और कमजोर गोवंश की विशेष देखभाल सुनिश्चित करने को कहा। सीएम योगी ने लम्पी और खुरूपका-मुंहपका से बचाव के लिए समतुल्य टीकाकरण और त्वरित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने लापरवाही मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई को कहा। इसके अलावा गोशालाओं का निरीक्षण अधिक परिणाममुखी बनाने और वैज्ञानिक प्रबंधन व्यवस्था विकसित करने पर चर्चा हुई।

जेडीयू के कार्यक्रम में नहीं आने पर दी सफाई

अनंत सिंह व नीरज के झगड़े पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह चुप

एजेसी»»पटना



बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड में विधायक अनंत सिंह और एमएलसी नीरज कुमार के झगड़े से घमासान खिड़ा हुआ है। अब इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने चुप्पी साध ली है।

जेडीयू के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने इस मामले पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। पटना में हुए विधायक एवं एमएलसी के प्रबंधन कार्यक्रम में नहीं पहुंचने पर भी ललन सिंह ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि वह गुजरात में थे। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह शनिवार को पटना पहुंचे। पटना



एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, पार्टी में कोई मतभेद नहीं है। जदयू एकजुट है। 1994 में नीतीश कुमार ने जब समता पार्टी का गठन किया था, तब से पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है। आपसी सहमति और आपसी विचार विमर्श से पार्टी चलती है। आज भी यह परंपरा चल रही है। सभी नेता एकमत हैं।

बड़गाई अंचल जमीन घोटाले में सीएम हेमंत सोरेन पर 21 को तय होगा आरोप

एजेसी»»रांची



जिले के बड़गाई अंचल में कथित जमीन घोटाले में बड़ा अपडेट सामने आया है।

21 सितंबर को कोर्ट आरोप तय करेगा। इसके लिए कोर्ट ने हेमंत सोरेन को दो दिन का समय दिया है। अब इस मामले पर सोमवार को 4 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आरोप गठित किए जाएंगे। इससे पहले हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आपराधिक कार्रवाही से छूट की मांग की थी। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है।

मंडल रेल प्रबंधन के विजेताओं को दी बधाई

संरक्षित रेल संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 10 रेलकर्मों को किया सम्मानित



हरिभूमि न्यूज»»लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में सुरक्षित और संरक्षित रेल संचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 10 रेलवे कर्मचारियों को "स्टार परफॉर्मर ऑफ द मंथ" संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने वरिष्ठ मंडल परचालन प्रबंधक(सामान्य) जे.एन. गुप्ता और वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (द्वितीय) अश्विनी कुमार तिवारी के साथ चयनित कर्मचारियों को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इन कर्मचारियों ने

अपनी सतर्कता, समयबद्धता और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के माध्यम से रेल सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उनकी कर्तव्यनिष्ठा और कार्य के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का यह प्रदर्शन अन्य रेलकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी कर्मचारी इसी लगन और जिम्मेदारी के साथ रेल संचालन को और अधिक सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाने में योगदान देते रहेंगे।

वैश्व सम्मेलन के जरिए भारत ने बहुधुवीय विश्व व्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता की अपनी सोच को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है। इसी बदलते वैश्व परिदृश्य में अमेरिका और भारत के बीच बढ़ता व्यापारिक तनाव अब केवल टैरिफ की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि यह ऊर्जा सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक हितों से भी जुड़ गया है। रूस और ईरान से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़े दंडात्मक शुल्क लगाने की अमेरिकी पहल ने भारत के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। भारत के लिए रूस से कच्चा तेल महज व्यापार का विषय नहीं, बल्कि बड़ी आबादी की ऊर्जा जरूरतों और घरेलू महंगाई से जुड़ा सवाल है। दूसरी ओर अमेरिका भारत का प्रमुख निर्यात बाजार है, इसलिए ऊंचे अमेरिकी टैरिफ का असर वस्त्र, इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य निर्यात क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी बीच डेढ़ साल से लंबित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता निर्णायक मोड़ पर है। अमेरिका बाजार पहुंच और कृषि उत्पादों समेत रूस से तेल खरीद जैसे मुद्दों पर दबाव चाहता है, जबकि भारत किसानों, एमएसएमई और निर्यातकों के हितों के साथ स्थिर एवं प्रतिस्पर्धी टैरिफ व्यवस्था चाहता है। ऐसे समय में भारत के सामने चुनौती ब्रिक्स के जरिए वैश्विक संतुलन साधने के साथ अमेरिका से आर्थिक रिश्ते बनाए रखने की भी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

नई विश्व व्यवस्था की धुरी बनता ब्रिक्स



विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

वरिष्ठ स्तंभकार

ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए भारत ने बदलती वैश्विक व्यवस्था में अपनी कूटनीतिक भूमिका को मजबूती से रेखांकित किया है। अमेरिका-चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, रूस पर परिचामी प्रतिबंधों, भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव और चीन के साथ सीमा विवाद के बीच नई विश्व व्यवस्था का सवाल बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने ब्रिक्स को किसी देश विरोधी गंच में बदलने के बजाय समावेशी, न्यायपूर्ण और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की पंखी की। अलग-अलग मत रखने वाले देशों को एक गंच पर लाना भी भारत की कूटनीतिक क्षमता का सूचक है। अब चुनौती यह है कि भारत रूस के साथ पुराने रिश्तों, अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों और चीन के साथ जटिल समीकरणों के बीच संतुलन कायम रखते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी बनाए।

इस प्रश्न है कि ब्रिक्स आने वाले दौर में एक अमेरिका विरोधी मंच के तौर पर क्या एक मोर्चे का आकारक कर सकता है? एक और जटिल प्रश्न है कि क्या भारत को ज्वाइनिंग के अनुभार आगामी भविष्य में बहुध्रुवीय विश्वव्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा? दुनियात्मक उपस्थिति इन सवालों पर अत्यधिक चर्चा ब्रिक्ससम्मेलन 2026 में की गई। भारत की यात्रा के तत्पश्चात चीन राष्ट्रपति शी जिनिंग 24 सितंबर से अमेरिका की राजनीतिक यात्रा प्रारंभ करने वाले हैं। दो ध्रुवीय विश्व को औद्योगिक शक्तिशाली बनाएने के लिए क्या अमेरिका और चीन सहमत हुए रहे हैं? ताड़वान पर होने वाले संभावित सैन्य टकराव को दृष्टि में रखते हुए अमेरिका और चीन की दोस्ती-दोस्ते संबंध नहीं है। निश्चित तौर पर अमेरिका द्वारा चीन के प्रति व्यापारिक उद्घरण का परिचय दिया जा रहा है और इससे प्रति अत्यंत कठोरता का। ब्रिक्स का एक प्रमुख सदस्य के बावजूद चीन ने भारत के प्रति अपनी विसमतावाद का कदाचित्तर परित्याग नहीं किया है। भारत को चीन अमेरिका के गूटजोड के प्रति अत्यंत सातक रहना होगा अमेरिकन कूटनीतिक और प्रबल आर्थिक दबावों का अधिक करते हुए, रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक दोस्ती आर्थिक रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ बनाना होगा। हाल साउथ का नेतृत्व करते हुए भारत को विभिन्न देशों में जाने लिए बाजार तलाशने होंगे। भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन के प्रति अपनी बदलती हुई कूटनीति और रणनीति पर स्पष्ट दिया है। ईरान के चाबहार बंदरगाह पर अमेरिका द्वारा उत्पन्न समस्याओं को गूढ़ था। जबकि भारत ने चाबहार पोर्ट के निर्माण में बहुत बड़ा आर्थिक निवेश अंशदान दिया। अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण भारत ने ईरान से खरीदना बंद कर दिया था। संभवतः भारत अपनी इस नीति में सुधार कराया और ईरान से अपने आर्थिक रिश्तों को पुनः शांतिशाली बनाएगा अमेरिकन के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने रूस पर अत्यंत कड़े आर्थिक प्रतिबंध अनियंत्रित वाला एक बिल बहुमत से पारित कर दिया है।

ताकतवर लीडर एक मंच पर

वर्ष 2026 बिस्व का 18वां शिखर सम्मेलन और भारत के अथक्षला में अत्यंत कामयाबी के साथ संपन्न हो तो गया। बिस्व आोजन में अथक्षला करते हुए भारत की सबसे बड़ी कामयाबी रही कि उसने दुनिया की कुछ अत्यंत ताकतवर लीडर्स को दिल्ली में एक विशाल गोलमेज पर इकट्ठा कर दिखाया। चीन के राष्ट्रपति शिन जिनिंग्ग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, फ्रांस के राष्ट्रपति मसूद पेजेविंक्यान, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा आदि। उपलब्धतायें हैं कि चीन के राष्ट्रपति शिन त्सीकरान सत वर्ष पश्चात भारत पधारें। बिस्व 2026 सम्मेलन में शिखर करने आए अनेक राष्ट्रों के मध्य सेव्य सरकारों और सीमा विवादों का कटुता पण इतिहास रहा है। भारत और चीन के इतिहास सेव्य टकराव और सीमा विवाद का दशकों पुराना इतिहास रहा है। ईरान और यूईई जंग के मैदान में आग्ने-सामने खड़े रहें। सक्रिय अरब पर ईरान के निराहल्ले दावायें। इइ तमान परपरप विरोधी देशों के लीडर्स को बिस्व सम्मेलन में आग्ने-सामने एक गोल मेज पर बैठावे के लिए भारत को कर्तव्य कर्तुर्वाक्ति प्रयास करने पड़े।



भारत ने कूटनीतिक संतुलन बरकरार रखा

यह बिल दू पाश्चात्य को रूस से तेल और गैस सप्लाई करने वाले बड़े अर्थव्यवस्थाओं को प्रेरित करने तक फैलकर लगे हुए का कबूतर बन गया। अमेरिकी प्रदान करता है। जिन्हें देशों पर यह टैरिफ लागू किया जा रहा है, उन्हें भारी भारों का एक प्रमुख देश है। क्योंकि भारत भी उच्च अमेरिकी तेल से से बड़े पैमाने पर तेल का आयात करता रहा है। भारत के साथ अमेरिकी चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे अनेक देश भी अमेरिका के जो प्रशिक्षित देशों अमेरिका अमेरिका करने के निशाने पर उभरे हैं। यह बिल पहले ही भारी बहुमत से अमेरिकी कांग्रेस में पारित किया जा चुका है। अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास भेजा जाएगा।

जटिल प्रश्न पर सहमति

बिहार 2026 सम्मेलन में यह भी भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। यह तथ्य भारत के बहुआयामी कृषीनैतिक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है कि बिहार सम्मेलन में शिरकात करने आया देशों को ईरान युद्ध के बाद अपने परमाणु परियोजना पर फिर से विचार करने का शानदार अवसर प्रदान किया गया। ईरान के राष्ट्रपति जैरेफकारजान और अबू थादी के काउज प्रिंस ने साथ बैठकर बिहार सम्मेलन में कृषीनैतिक बाराचों को प्रमर्श किया। नई बिहार व्यवस्था की संरचना कैसी होगी यहिद ईस जलित प्रमर्श पर बिहार देशों के मध्य पूर्ण सहमति बनाने में भारत को कामयाब हो गया। एक समावेशी न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व व्यवस्था का निर्माण करने का संकल्प दोहराया गया। बिहार 2026 सम्मेलन में कुछ मुख्य मुद्दों चाहते थे बिहार मंत्र एक अमेरिकी विशेषज्ञों से कर तैयार पर निर्मित हो गया। लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था में ऐसा कठोरतम संघर्ष नहीं हो सका। बिहार सम्मेलन 2026 अर्थव्यवस्था से संयुक्त घोषणा पत्र को जारी करने में कामयाब रहा। बिहार 2026 सम्मेलन से पूर्व बिहार देशों के विदेश मंत्रियों को दो हफ्ता बैठक हुई थी, जो कि संयुक्त जाहरी जारी करने में नाकाम सिद्ध हुई थी। बिहार सम्मेलन के संयुक्त घोषणा पत्र में फारसीनियों के जबरन विस्थापन के किसी भी कदम पर कठोर अस्वीकार का विवेध प्रवर्त किया गया है।

एकतरफा प्रतिबंधों की भर्त्सना

विश्वक व्यापार को लेकर भी बिस्व घोषणा पत्र में गंभीर चिंता प्रकट की गई। अत्यंत नम्राने दंग से टैरिफ आरोपित करने के प्रति अपनी गहन चिंता का झुंझार किया गया। एक्करका आर्थिक प्रतिबंधों की घनघोर मर्स्ना की गई और अमेरिका का नाम तब लेने से भी बाकवद्ध पड़ेज शायद गया। शाहद इस्लामिफि चिंतिशतन की नाराजगी से शाहद बचा जा सके। बिस्वस सम्मेलन 2026 के संयुक्त घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध का कोई उल्लेख नहीं किया गया। हालांकि विश्व मंत्र पदधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनेक दफा दोहरा चुके हैं कि यह युद्ध युद्धों का युग कदाचित नहीं है। अयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधारों को पैरवों की गई। बिस्वमें भारत और बाजोल को युस्श परिषद में स्थान प्रकट करे की आतंकवक्त के हर पद को खस करन का संकल्प पड़ेया। वैश्विक कूटनीति की बात करे तो दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत वस्तुतः बिस्व शक्तिरों के अथ मुत्तुलन स्थापित करने की कोशिश में जुटा हुआ है। अभी कहां नहीं जा सकता कि तीसरे विश्व युद्ध के ककार खड़ी दुनिया की भारत बचा पाएगा अथवा नहीं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता क्यों अटका



रिश्ते

विवेक शक्ला

स्वतंत्र पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता पिछले डेढ़ साल से चर्चा में है, लेकिन अभी तक उस पर अंतिम मुहर नहीं लगी है। दोनों देश बार-बार कहते हैं कि बातचीत आगे बढ़ रही है, फिर भी समझौता अधर में लटकता रहता है। सवाल यही है कि नई परिस्थितियों में दबाव बढ़ेगा या अमेरिका टैरिफ को धमकी से अपनी शर्तें थोपने की कोशिश करेगा। सबसे पहले बात साफ कर लेनी चाहिए। फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप दोनोहालडू में द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। उस समय द्विपक्षीय व्यापार करीब 191 अरब डॉलर था। आज यह आंकड़ा लगभग 240 अरब डॉलर के आसपास बताया जाता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और भारत के कुल माल निर्यात का करीब पांचवां हिस्सा वहीं जाता है। इसलिए यह समझौता सिर्फ कागजी नहीं, बल्कि रूस, रसायन, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और फार्मा जैसे क्षेत्रों की लाखों नौकरियों से जुड़ा विषय है। है। 2025 में तनाव बढ़ा। अमेरिका ने "पारस्परिक टैरिफ" लगाया और रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त शुल्मों की चढ़ा दिया। कुछ वस्तुओं पर कुल 50% प्रतिशत तक पहुंच गया। भारतीय निर्यातकों के लिए यह बड़ा झटका था। डोटै और मझोले उद्यमों को ऑर्डर रह होने या मार्जिन घटने की चिंता सताने लगी। जूँ, चमड़ा, प्लास्टिक, रसायन और आभूषण जैसे क्षेत्रों में अन्तर्निश्चिंता फैल गई। भारत ने इसे अनुचित बताया, क्योंकि रूस से तेल खरीदने वाले कुछ अन्य बड़े देश उसी अनुपात में दंडित नहीं हुए। फरवरी 2026 में मोदी-ट्रंप बातचीत के बाद माहौल कुछ नरम पड़ा। अमेरिका ने पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की बात कही और रूस-तेल से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ हटाने का ऐलान किया। भारत की कृषि उत्पादों में अमेरिकी औद्योगिक सामान और कई कृषि उत्पादों जैसे पशु आहार, मेवे, फल, सोयाबीन तेल, वाइन

और स्पिरिट्स-पर शुल्क घटाने या हटाने की रूपरेखा बननी। भारत ने पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा, विमान, तकनीक और कोयले की खरीद का इशारा भी जताया। दोनों सरकारों ने इसे "अंतिम समझौते की रूपरेखा" कहा और इसे 30 खरब डॉलर के अमेरिकी बाजार की ओर एक कदम बताया। लेकिन रूपरेखा और अंतिम समझौते में फर्क होता है। भारत बार-बार कहता रहा है कि उसे प्रतिस्पर्धा दोनों जैसे विद्युतताय, थार्ईड, इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया और बांग्लादेश की तुलना में बेहतर है।

रूपरेखा बनी। यानी दबाव काम करता है। लेकिन भारत भी अब वैसा कमजोर पक्ष नहीं रहा। उसने ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस जैसे देश के साथ व्यापार समझौते किए हैं। न्यूजिलैंड समझौता अक्टूबर के आसपास लागू हो सकता है और यूरोपीय संघ से बात आगे बढ़ रही है। घरेलू बाजार बड़ा है, ऊर्जा जरूरतें गंभीर हैं और किसान-डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर सरकार समझौता नहीं करना चाहती। कृषि मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि किसानों के हितों पर कोई समझौता नहीं होगा। इसलिए दबाव दोनों तरफ से बढ़ सकता



भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर डेढ़ साल से जारी बातचीत अब निर्णायक मोड़ पर है। टैरिफ, रूस से तेल खरीद, कृषि और बाजार पहुंच जैसे मुद्दे दोनों देशों के बीच अड़चन बने हैं। अमेरिका दबाव बढ़ा रहा है, जबकि भारत अपने किसानों, निर्यातकों और घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा चाहता है।

कम-से-कम बराबरी का टैरिफ फायदा चाहिए। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का रुख साफ है कि जब तक अमेरिका भारत को प्रतिस्पर्धियों को मुकाबले तरजीही दर नहीं देता, तब तक अंतिम विवरण घोषित नहीं होगा। भारत सरकार ने कहा है कि उसने अमेरिका को पहले ही बता दिया है कि ऐसे कदम ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक बाजार और द्विपक्षीय रिश्तों पर असर डाल सकते हैं। क्या अमेरिका टैरिफ का डर दिखाकर अपनी मर्जी थोपेगा? अनुभव बताती है कि टैरिफ ट्रेड प्रशासन को पसंदीदा रणनीति रही है। 2025 में 50 प्रतिशत तक शुल्क चढ़ाने के बाद ही परवरी 2026 की

है। अमेरिका चाहता है कि भारत ज्यादा अमेरिकी सामान खरीदे, कृषि बाजार खोले, गैर-टैरिफ बाधाएं घटाए और रूस से तेल खरीद घटाए। भारत चाहता है कि उसके निर्यात को अमेरिका में स्थायी और प्रतिस्पर्धी पहुंच मिले, टैरिफ अचानक न बढ़ें और कृषि-डेयरी पर लाल रेखा बनी रहे। फिलहाल गेंद दोनों के पाले में है। अब इस माह और अक्टूबर की बातचीत बताएगी कि दबाव समझौते की ओर ले जाता है या फिर नई अनिश्चितता की ओर। दोनों लोकतंत्रों को यह याद रखना होगा कि व्यापार सिर्फ शुल्क की गणित नहीं, बल्कि विश्वास का मामला भी है।



अमेरिका-कनाडा विवाद

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

ब नोन-बिगडते विश्व की तस्वीर में जब सत्ता का पैमाना बढ़ जाता है तो कहीं कुछ किसी को फ़ायदा होना है तो किसी को नुक़सान, लेकिन ज़रूर कहीं वर्चस्व की आ जाए तो सिक्के का एक ही पहलू नज़र आता है और वह है सम्मान। समस्या यह है कि अमेरिका और कनाडा दोनों ही अपने आप सम्यन् देशों में आते हैं, लेकिन दोनों को यह भी समझना होगा कि विश्वभर में पुर उप्स्थिति दर्ज कराने के लिए सबका साथ चाहिए होता है, जिसके लिए बहुत समझौते करने होते हैं। बहरहाल यदि भारत के परिवेश में ऐसी स्थिति बनती है तो इसके कारणात्मक व नकारात्मक दोनों तरह के पहलू सामने आ सकते हैं। भारत की सौदेबाजी की ताकत बढ़ सकती है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। इसलिए यदि भारत भी चुनिंदा अमेरिकी वस्तुओं पर ज़वाबी शुल्क लगाए, तो अमेरिकी कंपनियों और सरकार पर भी आर्थिक दबाव पड़ेगा। इससे व्यापार वार्ता में भारत के पास एक अतिरिक्त समझौता उपकरण हो सकता है। घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है। अमेरिकी सामान महंगे होने पर कुछ भारतीय निर्माता अपने बाज़ार का हिस्सा बढ़ा सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां भारत के पास पहले से पर्याप्त उत्पादन क्षमता है। व्यापार का विविधीकरण तेज़ हो सकता है। भारत यूरोप, कनाडा, एएसईएन, खाड़ी और अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए मजबूर होगा, लेकिन नुक़सान ज़्यादा व्यापक हो सकते हैं। भारतीय निर्यातों को सीधा नुक़सान हो सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। अप्रैल-अगस्त 2026 में भारत का अमेरिका की वस्तु निर्यात लगभग 43 अरब रहा। और अगस्त में ही अमेरिका को भारतीय वस्तुओं का निर्यात लगभग 21% बढ़कर 8.3 अरब डॉलर पहुंची। इसका मतलब है कि मौजूदा समय में अमेरिका भारत भारतीय निर्यात के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

है। अगर भारत व्यापक व्यापार युद्ध शुरू करता है और अमेरिका भी जवाब में भारतीय उत्पादों पर भारी शुल्क लगाता है, तो कपड़ा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयाँ, आभूषण और अन्य निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकते हैं। रोजगार पर असर पड़ सकता है।

निर्यात घटने का असर केवल बड़ी कंपनियों पर नहीं पड़ेगा। श्रम-प्रधान उद्योगों और उनसे जुड़े छोटे कारोबारों पर भी असर पड़ सकता है। भारत के अलावा अमेरिकी आयात भी महंगे होंगे। अमेरिका से आने वाली मशीनरी, तकनीकी उपकरण,

अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच भारत के सामने अवसर और चुनौतियां दोनों हैं। जवाबी शुल्क से सौदेबाजी की ताकत और घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है, लेकिन निर्यात, रोजगार, आयात लागत और ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव बढ़ने का जोखिम भी है।

औद्योगिक सामग्री और दूसरे उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने का अर्थ भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ना भी हो सकता है। अमेरिकी व्यापार आंकड़ों के अनुसार जनवरी-जुलाई 2026 में अमेरिका ने भारत से निर्यात 60 अरब की वस्तुएं आयात कीं, जबकि भारत को 30.44 अरब डॉलर की अमेरिकी वस्तुएं निर्यात कीं। यानी दोनों देशों का व्यापार काफी बड़ा है और दोनों पक्षों को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि वर्तमान विवाद टैरिफ तक सीमित नहीं है। अमेरिका में ऐसा विधेयक अगले बड़ा है जिसमें रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में तेल

मेरिकी संसद के दोनों सदनो में 'संश्लेषण' रशा अइ ईरान एक्ट' के पारित होने को लेकर देश में आंधाओ के बादलों का उठना संभावितक है। जेस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरा न अपना खाई है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को है कि अमेरिका के सहयोग के बिना वह सब कदम नहीं रखा सकी। वैश्विक आर्थिकी में झार के वर्चस्व लेने जग्यार तक को लगता है कि अगर अमेरिका के बिसेस टेन्टो हुई नो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी वजह ही अइसर है कि इस अनिश्चित के पारित होने के नजर के प्रमुख विपक्ष दल कांग्रेस की नजर में पविशे नीति नामक नजर आने लगी है। संस्कृतिक विवेचन अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा सरकार की प्रतिक्रिया सुनिश्चित और सही हुई है। विदेश त अगुनी 140 करोड़ की आबादी की उर्जा सुरक्षा के न को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी ही होनी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर टही जगती।

रूस से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस-बहाव देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल को हार है। दूर अंतराष्ट्रीय मौजूदा महाील में अपनी भारी-भरकम तैल लिए किरायाती ऊर्जा सुरक्षा को हा है। इसलिए भारत का न झुकना देलौ और अमेरिकी सरकार के ज भले ही हो, भारतीय हितों के है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी द संभाला है, अपने ऊल-जलूल ही वे जाने गए हैं। यह पहला के उन्होंने इस कानून के जरिए ने की कंशिश की है। बीते साल 025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं का टैरिफ लगा दिया था। जिससे र में भारतीय वस्तुएँ और सामान थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप ने मांसयुक्तिकल्स को इस टैरिफ से हसकीं जगह यह है कि भारत से वला चीजें सस्ती पड़ती हैं। और आमूषणों पर टैरिफ लगाने नही पड़ा था। क्योंकि रत्न और व से ही महिने होतें हैं और जहाँ लोगों के लिए इतकी महंगाई नहीं शेरमनी पड़िया का हालिया संकट दे देन है। जब से यह संकट बढ़ा से तेल की खरीदारी बंद दी है।

अमेरिकी संसद से
रूस और ईरान पर
कड़े प्रतिबंधों वाला
कानून पारित होने के
बाद भारत की ऊर्जा
सुरक्षा और निर्यात
को लेकर चिंता बढ़ी
है। हालांकि भारत ने
स्पष्ट किया है कि वह
अपने राष्ट्रीय हितों
और ऊर्जा जरूरतों से
समझौता
नहीं करेगा।

बीली जुलाई में भारत ने अपने कुल तेल आयात का रूस से किए गए विलंबित करार के तहत आयात करने के लिए परिश्रमपूर्वक प्रयास किए। रूस ने तेल की आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए भारत के लिए विशेष प्राथमिकता प्रदान की। रूस ने तेल की आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए भारत के लिए विशेष प्राथमिकता प्रदान की। रूस ने तेल की आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए भारत के लिए विशेष प्राथमिकता प्रदान की।

झीरम नरसंहार... गणपति, रमन्ना की सहमति से हुआ, सुरेंद्र व देवा ने तय की एंबुश की जगह

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

झीरम नरसंहार पर आरोपियों को मौत की सजा देने का आधार जो साक्ष्य बना उसमें एक आत्मसमर्पित नक्सली के बयान की बड़ी भूमिका रही है। 2013 में आत्मसमर्पित नक्सली सिम्बाला रविंदर बटालियन कमांडर था। हमले को लेकर हुई बड़ी बैठक का उसने ब्योरा दिया है।

डीआरजी में बतौर आरक्षक पदस्थ पूर्व आत्मसमर्पित नक्सली सिम्बाला रविंदर ने अपने बयान में बताया कि वह वर्ष 1990 में पीपुल्स वार पार्टी ऑफ कम्युनिस्ट में शामिल होकर दण्डकारण्य में कार्य कर रहा था। वर्ष 1993 से मिलिट्री दलम का डिप्टी कमाण्डर था तथा वर्ष 1995 में प्लाटून कमाण्डर तथा वर्ष 2013 बटालियन कमाण्डर था। कोर्ट को दिए अपने बयान में उसने बताया कि झीरमघाटी

घटना से पूर्व टीसीओसी की बैठक हुई थी, जिसमें देवजी, श्याम, रमेश, वेंकटेश, मेनक्का, माधवी, हिडुमा व सुरेंद्र समेत अन्य शामिल हुए थे। इस बैठक में भर्ती, ट्रेनिंग, हमला, एजुकेशन डिप्लॉयमेंट एवं साउथ रिजन इन्फेंट कमांड ने चर्चा की थी कि किस एरिया में कौन कौन सी कम्पनी जाएगी। इस बैठक में वेंकटेश को गंगालूर तथा श्याम व सुरेंद्र को दरभा डिवीजन की जिम्मेदारी दी गई थी।

दरभा डिवीजन में हमले के लिए सीआरसी की प्लाटून कंपनी दो के दो सेक्शन और दरभा डिवीजन के लोग हमले में शामिल होने एक दरभा डिवीजन का कमाण्ड बनाया गया था। वहीं उसने स्वीकार किया कि झीरम घाटी हमला के दौरान वह उपस्थित नहीं था।

कानूनी जंग और फैसले पर हरिभूमि लगातार...

- नरसंहार से पूर्व सेण्ट्रल कमेटी की बैठक में हमले का तैयार किया गया था खाका
- देवजी व गणेश उड़के ने अलग अलग प्लाटून को हमले के लिए बुलाया था



सुरेंद्र को दी गई थी टीसीओसी की जिम्मेदारी एक सप्ताह चली बैठक

हमले से पूर्व टीसीओसी की जिम्मेदारी दरभा डिवीजन कमेटी के सचिव सुरेंद्र को दी गई थी। वहीं देवजी ने सुरेंद्र व देवा को रेकी कर एम्बुश की जगह चुनकर रिपोर्ट देने कहा गया था। हमले के लिए एसजेडसी श्याम व सुरेंद्र को सामान एकत्रित करने व रिपोर्ट आने के बाद देने कहा गया था। एसआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि टीसीओसी के दौरान एक सप्ताह बैठक चली इसके बाद ग्राम मुम्मरका के जंगल में सेण्ट्रल कमेटी की बैठक में मई-जून के आसपास घटना को अंजाम देने का निर्णय लिया गया था जिसकी मंजूरी सीसी व पोलिट ब्यूरो मेंबर गणपति व रमन्ना ने दी थी।

नक्सल लीडर गणपति-रमन्ना ने दी अंतिम मंजूरी

कोर्ट ने एसआईए की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि घटना को अंजाम देने के लिए सप्ताह पूर्व पूरी रणनीति तैयार कर ली थी। इसके लिए मुम्मरका के जंगल में सेण्ट्रल कमेटी की बैठक की गई थी। इस बैठक के बाद हमले के लिए फाइनेल मंजूरी शीर्ष नक्सल लीडर गणपति व रमन्ना ने दी थी। एसआईए की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि झीरम घाटी हमले को अंजाम देने के लिए काफी पहले से तैयारी की जा रही थी। इसके लिए कई दौर की बैठक अलग अलग स्थानों में करने के बाद हमले के सप्ताह भर पूर्व पूरा खाका तैयार कर हमले की जगह व लाल लड़ाकों के लिए हथियार व रासद की व्यवस्था कर ली गई थी। एसआईए कोर्ट ने फैसले के पेज नम्बर 116 में इस बात का उल्लेख किया है कि झीरम नरसंहार को अंजाम देने के लिए दरभा डिविजनल कमेटी मेंबर सुरेंद्र व देवा ने टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैपेब) के दौरान बैठक आयोजित की गई थी जिसमें दरभा डिवीजन में बड़ी घटना करने का प्रस्ताव रखा गया था। इस हमले के लिए देवजी व गणेश उड़के की मौजूदगी में सीआरसी कम्पनी 26 के दो प्लाटून जयपाल के साथ और जोगल कम्पनी नम्बर टू से एक प्लाटून दरभा डिवीजन के टीसीओसी के लिए भेजने का निर्णय लिया गया था।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य कारणों से शाह का महाराष्ट्र दौरा रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 2 दिनी कोल्हापूर दौरा अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण रद्द कर दिया गया है। कर्नाटक के हुबली में अचानक तबीयत खराब होने से वे दिल्ली खाना हो गए। उन्हें महाराष्ट्र के कोल्हापूर और हुपरी में 600 करोड़ के महालक्ष्मी ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट के भूमि पूजन अन्य कार्यक्रमों में शामिल होना था।

पीएसीएल धन शोधन केस 42.13 करोड़ के शेयर कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने पीएसीएल लिमिटेड से जुड़े एक बड़े धन शोधन मामले में दिल्ली आंचलिक कार्यालय ने 42.13 करोड़ के इक्विटी शेयर अस्थायी रूप से कुर्क किए हैं। ये शेयर मेसर्स इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लिमिटेड के थे, जो मेसर्स एनएन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पास थे। कुर्की पीएमएलए अनुसार की।

जयपुर में आग मामले में 2 अधिकारी निलंबित

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जयपुर के परकोटे शहर में पुरोहित जी का कटला के सेठी कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगाने के मामले में नगर निगम के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। घटना के कारणों की जांच को एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी व सहायक अग्निशमन अधिकारी को सस्पेंड किया है।

राहुल मानहानि केस में सुनवाई 15 अक्टूबर को

हाथरस। हाथरस की एक अदालत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मानहानि के केस में पुनरीक्षण याचिका पर उनको नोटिस जारी किया था और मामले में शनिवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन न्यायिक अधिकारी के नहीं रहने से सुनवाई नहीं हुई। अब 15 अक्टूबर को होगी।

पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में 4.9 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में शनिवार शाम को 4.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र भूटान के ग्याल्पोङ्ग से लगभग तीन किलोमीटर दूर पृथ्वी की सतह से पांच किलोमीटर की गहराई में था। इस क्षेत्र में गुवाहाटी सहित अन्य स्थानों पर भी झटके महसूस किए गए। भूकंप शाम चार बजकर एक मिनट पर आया।

प्रधानमंत्री रोजगार मेला

पीएम मोदी ने बांटे 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र, संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 20वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार युवाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल और अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। सरकार का प्रयास है कि देश के युवाओं की शिक्षा और कौशल बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप हो।

निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का तेजी से विस्तार करने के लिए भी काम कर रही है। इस उद्देश्य से करीब एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू की गई है। इस योजना के माध्यम से करीब दो करोड़ युवाओं को पहली बार रोजगार मिलने की उम्मीद है। योजना के तहत पहली नौकरी पाने वाले युवाओं को 15 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। साथ ही अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा करने वाले नियोक्ताओं को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

40 देशों के साथ एफटीए से खुल रहे नए अवसर

मोदी ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार



समझौते (एफटीए) किए हैं। इससे देश के युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं। इन समझौतों से उद्यमियों के लिए नई साझेदारियाँ और बाजार उपलब्ध हो रहे हैं तथा युवाओं के लिए रोजगार और करियर की नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने दुनिया का भरोसा जीता है तथा भारत के नवोन्मेषकों, उद्यमियों और युवा शक्ति से पूरी दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं।

छोटे शहरों में भी स्टार्टअप का विस्तार

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। मान्यता प्राप्त करीब आधे स्टार्टअप अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में हैं। गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के युवा नई अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। छोटे शहरों के युवा अपने विचारों पर काम कर नई कंपनियां शुरू कर रहे हैं और दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं।



10 साल में करीब 10.96 लाख नियुक्तियां इस अवसर पर केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार सृजन और भर्ती के आकलन से सरकारी नियुक्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि और पारदर्शिता सामने आई है। उन्होंने बताया कि एनडीए सरकार के दस वर्षों के दौरान संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और रेलवे भर्ती बोर्डों के माध्यम से करीब 10 लाख 96 हजार नियुक्तियों की गई, जबकि यूपीए सरकार के दौरान इन तीन प्रमुख केंद्रीय भर्ती एजेंसियों के जरिए 7 लाख 22 हजार नियुक्तियां हुई थीं। उन्होंने कहा कि भर्ती व्यवस्था में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

45 स्थानों पर आयोजित हुआ रोजगार मेला

20वां रोजगार मेला देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। नवनियुक्त युवा वित्त, रेल, गृह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और

रक्षा सहित केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में अपनी सेवाएं देंगे। इस रोजगार मेले के साथ अब तक करीब 12 लाख 75 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और देश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने पर सरकार के निरंतर जोर को दर्शाता है।

भारत के मुक्त व्यापार समझौते युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोल रहे

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने विभिन्न देशों के साथ जो मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं, वे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। 'रोजगार मेला' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है तथा दुनिया को भारतीय नवोन्मेषकों, उद्यमियों और देश की युवा शक्ति से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने 40 मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। ये एफटीए हमारे युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल रहे हैं। ऐसे व्यापार समझौते हमारे उद्यमियों के लिए नई साझेदारियों का रास्ता तैयार करते हैं, नए बाजारों तक पहुंच बनाते हैं और युवाओं के लिए करियर की नई संभावनाएं पैदा करते हैं।

सालियान के पिता सतीश बोले आदित्य को नोटिस, किसी शिव सैनिक से नहीं डरता

एजेंसी ►► मुंबई

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की एक्स मैनेजर रही दिशा सालियान की 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक बहुमंजिला इमारत से गिरने के बाद मौत हो गई थी। इस बीच दिशा के पिता सतीश सालियान ने शनिवार को कहा कि शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को मानहानि का नोटिस देने के लिए 'मातोश्री' जाने से पहले उन्हें किसी से डर नहीं है।



न्याय 100 प्रतिशत मिलेगा, दोषी को सजा मिलेगी

जब उनसे पूछा गया कि वे इस केस की प्रगति को कैसे देखते हैं और उन्हें क्या नई बातें होने की उम्मीद है तो सतीश सालियान ने कहा कि न्याय 100 प्रतिशत मिलेगा। जो भी दोषी होगा, उसे सजा मिलेगी।

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया के तहत नोटिस पाने वाले मतदाताओं में मसीएण रेखा गुप्ता और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के नाम भी सूची में सामने आए हैं। रेखा के रिकॉर्ड में अभिभावक और उनके बीच उम्र का अंतर 15 वर्ष से कम दर्ज होने को विसंगति का आधार बताया गया है। अरविंद केजरीवाल के साथ उनके पिता गोविंद राम केजरीवाल, मां गीता देवी, पत्नी



सुनीता केजरीवाल और बेटे पुलकित केजरीवाल के नाम भी पिछली एसआईआर से मैपिंग नहीं होने की श्रेणी में दिखाए गए हैं। नोटिस जारी होना मतदाता के अयोग्य घोषित होना नहीं है। लोगों को अपनी पात्रता और रिकॉर्ड स्पष्ट करने का अवसर दिया जा रहा है।

4 हाईकोर्ट में 14 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति

दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, झारखंड लद्दाख में मंजूरी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र ने 14 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की है। इन्हें 4हाईकोर्ट में जज और अतिरिक्त जज बनाया गया है। इनमें दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट शामिल हैं। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र की मुहर



राष्ट्रपति ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। इन नियुक्तियों को पीछे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशें हैं। कॉलेजियम की अध्यक्षता सीजेआई सूर्यकांत कर रहे हैं। 10 सितंबर को बैठक में स्वीकृति बनी।

अनिल और निशा बने दिल्ली हाईकोर्ट के जज

निवेदिता अनिल शर्मा और निशा सहाय सक्सेना को दिल्ली हाईकोर्ट का जज बनाया गया है। संजय शर्मा, भारत पराशर, डॉ. अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज को दिल्ली हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया है। यश पाल बोनी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया है।

सेमीकॉन इंडिया 2026

चिप डिजाइन से मैन्युफैक्चरिंग तक विस्तार, दूसरे दिन हुए 25 समझौते

एजेंसी ►► नई दिल्ली

यहां के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026के दूसरे दिन शुक्रवार को सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़े 25 समझौते और अहम घोषणाएं हुईं। इन समझौतों में औद्योगिक सहयोग के जरिए सेमीकंडक्टर सामग्री, विनिर्माण, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, एडवांस्ड पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स, चिप डिजाइन और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में भारत की क्षमताओं को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। सहयोग का



मुख्य फोकस अहम सामग्रियों के स्थानीय उत्पादन, स्वदेशी सिलिकॉन कार्बाइड पावर तकनीक, सेमीकंडक्टर डिजाइन टूल्स, डीप-एक निवेश, कुशल कार्यालय तैयार करने पर रहा। चर्चाओं में नीति निर्माता, वैश्वक सेमीकंडक्टर कंपनियों के अधिकारी रहे।

मान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में पहुंचे थे



पुलिस कार्रवाई के जरिए दबाया नहीं जा सकता

बिटू ने कहा कि पंजाब सरकार के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि राजनीतिक विरोध को पुलिस कार्रवाई के जरिए दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हर लोकतांत्रिक विरोध का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देंगे।

चुनाव से पहले सियासी टकराव बढ़ा

यहाँविधानसभा चुनाव से पहले सियासी टकराव तेज होता नजर आ रहा है। बिटू मान के काफिले के रास्ते में शराब की बोतल लेकर खड़े हो गए। उन्होंने बोतल काफिले की ओर उठाते हुए कहा कि वह इसे मुख्यमंत्री को वापस करने आए हैं।बिटू ने कहा कि वह अपनी शराब का आनंद लें और अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से पंजाब को 'लूटने' की छूट देते रहें।

तीन मिडकैप फंड ने किया बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन

- » व्हाइटओक, एडेलवाइज़ और निप्पॉन इंडिया ने दिया खूब रिटर्न
- » निवेश से पहले जोखिम और लागत को समझना बेहद जरूरी
- » मिडकैप में ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ उतार-चढ़ाव भी अधिक
- » तीनों फंडों ने अलग-अलग अवधि में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा
- » पिछले प्रदर्शन को भविष्य की गारंटी का मानें

बिगनेस डेस्क

मिडकैप न्यूउअल फंड उन कंपनियों में निवेश करते हैं जो बड़ी कंपनियों से छोटी, लेकिन स्मॉलकैप कंपनियों से अपेक्षाकृत बड़ी होती हैं। इनमें विकास की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर इनका उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है। हाल के आंकड़ों में मिडकैप सेगमेंट की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। 10 सितंबर 2026 तक एक साल में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% रहा, जबकि तीन साल में इसका सालाना औसत रिटर्न करीब 15% रहा। ऐसे माहौल में यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि कौन-से सक्रिय मिडकैप फंड अपने बेंचमार्क से आगे रहे हैं। इविवर्टीमास्टर की 30 से अधिक फंडों की स्क्रीनिंग में तीन योजनाएं सामने आईं व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड, एडेलवाइज़ मिड कैप फंड और निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड। इस विश्लेषण में रिटर्न के साथ जोखिम-समायोजित प्रदर्शन को भी देखा गया। आंकड़े 10 सितंबर 2026 तक के हैं।

1. व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड

यह तीनों में अपेक्षाकृत नया फंड है। सितंबर 2022 में शुरू हुए इस फंड ने उपलब्ध अवधि में बेंचमार्क से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। एक साल में फंड का रिटर्न 14.92% रहा, जबकि निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% था। तीन साल में फंड ने 21.73% सालाना रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% रहा। इस फंड की खासियत इसका अपेक्षाकृत विविध पोर्टफोलियो है। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती हेक्साकॉम, फेडरल बैंक, लॉरेस लैब्स और कोफोर्ज इसकी प्रमुख हिस्सेदारी में शामिल हैं। शीर्ष होल्डिंग का वजन भी बहुत ज्यादा नहीं है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 15.86 रही। शार्प अनुपात 0.33 और सॉटिनो अनुपात 0.62 रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि उपलब्ध तीन साल की अवधि में फंड ने जोखिम के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया।

2. एडेलवाइज़ मिड कैप फंड

एडेलवाइज़ मिड कैप फंड का इतिहास बाकी दोनों की तुलना में लंबा है। यह फंड दिसंबर 2007 में शुरू हुआ था और इसके पास अलग-अलग बाजार परिस्थितियों का उपेक्षाकृत लंबा रिकॉर्ड है। पांच साल में इसने 18.89% और सात साल में 25.40% सालाना रिटर्न दिया। इसी अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 16.52% और 22.68% रहा। तीन साल में फंड का रिटर्न 20.65% रहा, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% था। फंड का निवेश वित्तीय कंपनियों और बाजार से जुड़ी कुछ कंपनियों की ओर अपेक्षाकृत अधिक रहा है। इसके पोर्टफोलियो में एमसीएक्स, बीएसई, फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसी कंपनियां शामिल हैं। यही सेक्टर झुकाव इसके प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.61 रही, जो इन तीनों में सबसे अधिक थी। शार्प अनुपात 0.30 और सॉटिनो अनुपात 0.56 रहा। इस फंड की एक महत्वपूर्ण बात इसका लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हालांकि, निवेशकों को यह भी देखना चाहिए कि मौजूदा फंड मैनेजमेंट टीम के कार्यकाल और पूरे ऐतिहासिक प्रदर्शन में कितना अंतर है।

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड तीनों में सबसे पुराना है। अक्टूबर 1995 में शुरू हुआ यह फंड कई बाजार चक्रों से गुजर चुका है। इसके लंबे इतिहास में डाट-कॉम संकट, 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, टेपूर वेट्टम, नोटबंदी, कोविड और मिडकैप में आई बड़ी गिरावट जैसे दौर शामिल हैं। एक साल में फंड ने 8.44% तीन साल में 17.73%, पांच साल में 18.31% और सात साल में 24.11% सालाना रिटर्न दिया। संबंधित अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 7.19%, 14.92%, 16.52% और 22.68% रहा। इससे पता चलता है कि उपलब्ध सभी प्रमुख अवधियों में फंड का रिटर्न बेंचमार्क से ऊपर रहा। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.07 रही। शार्प अनुपात 0.27 और सॉटिनो अनुपात 0.51 रहा। फंड का आकार करीब 39,100 करोड़ रुपये बताया गया है, जो इन तीनों में सबसे बड़ा है। बड़ा आकार एक तरफ मजबूत निवेशकों को दर्शाता है, लेकिन मिडकैप क्षेत्र में बहुत बड़े फंड के लिए छोटी कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी बनाना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। इसका प्रत्यक्ष योगदान व्यय अनुपात करीब 0.81% है।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

मिडकैप फंड में पिछले रिटर्न को देखकर निवेश करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस श्रेणी में शेयरों की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। इसलिए निवेशकों को कम से कम पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए—फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का रिकॉर्ड, खर्च और अपने पोर्टफोलियो में मिडकैप का उचित हिस्सा। इसके अलावा फंड के आकार को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बहुत बड़े फंड के लिए छोटी और मझौली कंपनियों में पर्याप्त हिस्सेदारी बनाना मुश्किल हो सकता है, जबकि छोटे फंड में दूसरी तरह के जोखिम हो सकते हैं।

एसआईपी निवेशकों के लिए क्या समझना जरूरी

मिडकैप फंड को आम तौर पर लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से देखना चाहिए। बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने के लिए निवेशक में पर्याप्त जोखिम क्षमता होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, किसी फंड में पिछले तीन या पांच वर्षों में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि अगले तीन या पांच वर्षों में भी ऐसा ही होगा। बाजार की परिस्थितियां, कंपनियों की कमाई, मूल्यांकन और फंड की निवेश रणनीति बदल सकती हैं। इसलिए निवेश का निर्णय केवल किसने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया के आधार पर नहीं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम क्षमता और पहले से मौजूद पोर्टफोलियो को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

फंड चुनते समय रिटर्न संग जोखिम पर ध्यान दें

व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड के आंकड़े उपलब्ध छोटी अवधि में मजबूत रहे हैं, एडेलवाइज़ मिड कैप के पास लंबा और मजबूत प्रदर्शन रिकॉर्ड है, जबकि निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप का इतिहास तीनों में सबसे लंबा है। तीनों की निवेश शैली, पोर्टफोलियो संरचना, फंड का आकार और लागत अलग-अलग हैं। इसलिए इन आंकड़ों को निवेश की गारंटी या भविष्य के रिटर्न का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप फंड चुनते समय रिटर्न के साथ जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो और निवेशकों की अपनी परिसंपत्ति-वितरण रणनीति को भी समान महत्व देना जरूरी है।

स्मार्ट बीटा फंड : दिला सकता है बढ़िया मुनाफा, जोखिम भी ज्यादा नहीं

कम लागत में बेहतर रणनीति से करें निवेश

निवेश मंत्रा

बिगनेस डेस्क

न्यूउअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के सामने अब केवल पारंपरिक इंडेक्स फंड और सक्रिय रूप से संचालित फंड ही विकल्प नहीं हैं। स्मार्ट बीटा फंड भी निवेश की एक ऐसी रणनीति है, जो पैसिव निवेश की नियम-आधारित प्रक्रिया को अलग-अलग फैक्टर के आधार पर शेयर चुनने की रणनीति से जोड़ती है। इनका उद्देश्य बाजार के पारंपरिक इंडेक्स से अलग तरीके से निवेश करना और जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न हासिल करने की कोशिश करना होता है। हालांकि, स्मार्ट बीटा का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि फंड हर समय बाजार या सामान्य इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

चार प्रमुख फैक्टर को समझें

- वैल्यू** : इस रणनीति में ऐसे शेयरों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें निर्धारित वित्तीय मानकों के आधार पर उनकी कीमत की तुलना में आकर्षक माना जाता है। इसका आधार मूल्यांकन से जुड़े आंकड़े हो सकते हैं।
- क्वालिटी** : इसमें मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों को प्राथमिकता देने की कोशिश होती है। लाभप्रदता, कर्ज, आय की स्थिरता और अन्य वित्तीय मानक इसके आधार हो सकते हैं।
- मोमेंटम** : इसमें हाल के समय में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की चाल को महत्व दिया जाता है। रणनीति का आधार यह होता है कि कुछ शेयरों में बनी सकारात्मक या नकारात्मक गति कुछ समय तक जारी रह सकती है।
- लो वोलैटिलिटी** : इसमें अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव वाले शेयरों पर ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य पोर्टफोलियो में बाजार की तुलना में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने की कोशिश करना होता है।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

कैसे अलग होता है पोर्टफोलियो पारंपरिक बाजार पूंजीकरण आधारित इंडेक्स में बड़ी कंपनियों का वजन उनके बाजार मूल्य के आधार पर अधिक होता है। स्मार्ट बीटा रणनीति में ऐसा जरूरी नहीं है। मान लीजिए कोई फंड क्वालिटी फैक्टर पर आधारित है। तब वह बाजार पूंजीकरण की बजाय कंपनियों की वित्तीय गुणवत्ता से जुड़े मानकों के आधार पर शेयरों का चयन कर सकता है। इसी तरह मोमेंटम फंड में हाल की कीमत की चाल महत्वपूर्ण हो सकती है।



निवेशकों को क्या फायदे मिलेंगे

- नियम-आधारित निवेश : शेयरों के चयन के लिए पहले से निर्धारित नियम होते हैं। इससे निवेश प्रक्रिया अपेक्षाकृत व्यवस्थित और पारदर्शी रहती है।
- कम लागत की संभावना : सक्रिय रूप से संचालित फंड की तुलना में स्मार्ट बीटा फंड की लागत आम तौर पर कम हो सकती है, हालांकि हर फंड का वास्तविक खर्च अलग होता है।
- विशेष रणनीति का विकल्प : निवेशक वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम या लो वोलैटिलिटी जैसे किसी खास फैक्टर पर आधारित रणनीति चुन सकते हैं।
- पोर्टफोलियो में विविधता : पारंपरिक इंडेक्स से अलग कंपनियों और अलग वजन वाली कंपनियों में निवेश होने के कारण यह निवेश पोर्टफोलियो में एक अलग रणनीतिक ध्वसपोजर दे सकता है।

सेक्टर या शेयरों का झुकाव बढ़ेगा

फैक्टर आधारित निवेश का एक दूसरा जोखिम कंसंट्रेशन है। किसी खास नियम के कारण पोर्टफोलियो में कुछ सेक्टर या कंपनियों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। ऐसे में यदि उस सेक्टर या कंपनियों के समूह का प्रदर्शन कमजोर रहता है तो पूरे फंड के रिटर्न पर असर पड़ सकता है। इसलिए फंड की शीर्ष होल्डिंग, सेक्टर आवंटन और इंडेक्स की निर्माण पद्धति को समझना जरूरी है।

बार-बार रीबैलेंसिंग से बढ़ेगी लागत

कुछ स्मार्ट बीटा रणनीतियों में समय-समय पर पोर्टफोलियो को रीबैलेंस किया जाता है। यानी तय नियमों के अनुसार कुछ शेयरों का वजन बढ़ाया या घटाया जाता है और कुछ शेयरों को शामिल अथवा बाहर किया जाता है। मोमेंटम जैसी रणनीतियों में यह बदलाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। ज्यादा बदलाव का मतलब लेनदेन की लागत और पोर्टफोलियो में शेयरों के आने-जाने की दर बढ़ना हो सकता है। इसका असर फंड के वास्तविक रिटर्न पर पड़ सकता है।

सैलरी आते ही पैसा खत्म हो जाता है तो बदलें कुछ आदतें

- » कमाई कितनी है, इससे ज्यादा जरूरी है उसका सही बंटवारा
- » पहले बचत, फिर खर्च और निवेश का नियम अपनाएं
- » महीने के आखिर में होने वाली पैसों की तंगी से बच सकेंगे



माह की शुरुआत में बनाएं बजट

सैलरी आने के बाद बिना योजना के खर्च शुरू करना बजट बिगड़ाने का सबसे आसान तरीका है। इसलिए महीने की शुरुआत में ही जरूरी खर्चों की सूची बनाएं। सबसे पहले किराया, ईंधन, बिजली-पानी, राशन, स्कूल फीस, बीमा प्रीमियम और दूसरी अनिवार्य जरूरतों के लिए रकम अलग करें। इसके बाद यात्रा, खरीदारी, मनोरंजन और बाहर खाने जैसे खर्चों के लिए सीमा तय करें। बजट का मतलब हर खर्च रोकना नहीं है। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि किस मद में कितना पैसा खर्च किया जा सकता है। यदि महीने की शुरुआत में ही 50,000 की आय में से 25,000 जरूरी खर्चों के लिए निर्धारित हैं और 10,000 रुपये बचत या निवेश के लिए अलग कर दिए गए हैं, तो बाकी 15,000 ही वैकल्पिक खर्चों के लिए उपलब्ध होंगे। इससे महीने के बीच में पैसा खत्म होने की संभावना कम होगी।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें

बजट अवसर किसी एक बड़े खर्च से नहीं, बल्कि कई छोटे खर्चों से बिगड़ता है। रोज की कॉफी, ऑनलाइन खाना, कैश, छोटी-मोटी खरीदारी, मनोरंजन और ऐसे डिजिटल सब्सक्रिप्शन जिनका इस्तेमाल बहुत कम होता है इनकी कुल रकम महीने के अंत में काफी बड़ी हो सकती है। इसलिए कम से कम एक महीने तक हर खर्च लिखने की आदत डालें। मोबाइल के नोट्स, डायरी या किसी खर्च ट्रैकिंग ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। महीने के अंत में खर्चों को तीन हिस्सों में बांटे। जरूरी, उपयोगी और गैर-जरूरी। इसके बाद देखें कि किन खर्चों को कम किया जा सकता है। मान लीजिए रोजाना 100 का छोटा खर्च हो रहा है। महीने में यह करीब 3,000 और सालभर में करीब 36,500 हो सकता है।

इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता

बजट और बचत के साथ आपातकालीन कोष यानी इमरजेंसी फंड भी जरूरी है। अचानक नौकरी में रुकावट, घर से जुड़ी जरूरत, वाहन की मरम्मत या कोई अप्रत्याशित खर्च आने पर अगर अलग पैसा नहीं है तो व्यक्ति को निवेश तोड़ना पड़ सकता है या क्रेडिट कार्ड और कर्ज पर निर्भर होना पड़ सकता है। इमरजेंसी फंड का उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय पैसा उपलब्ध रखना है। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से निकाली जा सके।

निवेश को आदत बनाएं

सिर्फ पैसा बचाकर रखना पर्याप्त नहीं है। लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए बचत के साथ निवेश भी जरूरी हो सकता है। निवेश का विकल्प चुनते समय लक्ष्य, अवधि और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। नियमित निवेश के लिए एसआईपी एक तरीका हो सकता है। इसमें हर महीने एक तय रकम न्यूउअल फंड योजना में निवेश की जाती है। हालांकि, न्यूउअल फंड बाजार जोखिम के अधीन होते हैं और रिटर्न की गारंटी नहीं होती।



सैलरी का आसान बंटवारा करें

- **जरूरी खर्च** : घर, राशन, बिजली, ईंधनआई और दूसरी अनिवार्य जरूरतें।
- **बचत** : भविष्य की जरूरतों और बड़े खर्चों के लिए।
- **निवेश** : लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए।
- **वैकल्पिक खर्च** : घूमना, मनोरंजन, खरीदारी और दूसरी इच्छाओं पर खर्च।
- इस बंटवारे को अपनी वास्तविक आय और जिम्मेदारियों के अनुसार बदला जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड और ईएमआई पर भी रखें नजर

अगर हर महीने सैलरी का बड़ा हिस्सा पुरानी ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में चला जाता है तो बचत और निवेश के लिए रकम निकालना मुश्किल होगा। इसलिए नए कर्ज लेने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसकी मासिक किस्त बजट पर कितना दबाव डालेगी। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन ऐसा खर्च नहीं करना चाहिए जिसे समय पर चुकाना मुश्किल हो। ब्याज और लेट फीस जैसी लागत छोटे खर्च को भी महंगा बना सकती है।

सिर्फ हर महीने निवेश करना काफी नहीं, सही फंड का चयन और लंबी अवधि तक अनुशासन भी जरूरी

एसआईपी से उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रहा पैसा, तो कुछ गलतियों से बचें

सुझाव बिगनेस डेस्क

व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी आज छोटे और बड़े निवेशकों के बीच लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है। हर महीने तय राशि निवेश करने की सुविधा के कारण नौकरीपेशा और सीमित आय वाले लोग भी धीरे-धीरे बड़ा कोष तैयार करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन कई निवेशकों की शिकायत रहती है कि वर्षों तक एसआईपी चालने के बाद भी पैसा उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वे अक्सर फंड, बाजार या फंड प्रबंधक को जिम्मेदार मान लेते हैं। अक्सर में एसआईपी कोई ऐसा निवेश उत्पाद नहीं है, जो निश्चित या गारंटीशुद्ध रिटर्न देता हो। यह केवल नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। निवेश का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि हर महीने कितनी राशि लगाई जा रही है, किस प्रकार के न्यूउअल फंड का चयन किया गया है, निवेश का लक्ष्य और अवधि क्या है, बाजार की स्थिति कैसी है और निवेशक किसने समस्त तक लगातार निवेश बनाए रखा है। यदि एसआईपी उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रही है तो बाहर निकलने से पहले निवेशकों को अपनी रणनीति की इन पांच महत्वपूर्ण कमियों की जांच करनी चाहिए।

लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है एसआईपी की राशि

एसआईपी में सबसे आम गलती यह होती है कि निवेशक पहले यह तय करता है कि वह हर महीने कितनी रकम आसानी से बचा सकता है, लेकिन यह नहीं देखता कि उसके वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए वास्तव में कितने लक्ष्य की जरूरत है। 2,000 या 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश की अच्छी शुरुआत हो सकती है, लेकिन हर लक्ष्य के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं होती। मसलन, यदि कोई व्यक्ति पांच साल में 50 लाख या एक करोड़ रुपये का कोष बनाना चाहता है, तो केवल 5,000 रुपये मासिक निवेश से लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इसलिए निवेश की शुरुआत करते समय सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि हर महीने कितना निवेश कर सकता हूँ, बल्कि यह होना चाहिए कि अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितना निवेश करना जरूरी है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक पांच साल तक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मान लिया जाए, तो उसके पास करीब 4.1 लाख रुपये का कोष बन सकता है। यदि उसका लक्ष्य पांच लाख रुपये है तो वह लगभग 90 हजार रुपये पीछे रह जाएगा। इसी अनुमान रिटर्न और औसत में पांच लाख रुपये के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए करीब 6,100 रुपये मासिक निवेश की जरूरत पड़ सकती है। आय बढ़ने के साथ एसआईपी की रकम बढ़ानी भी जरूरी है।

लक्ष्य और अवधि के हिसाब से गलत फंड चुनना

हर न्यूउअल फंड हर निवेशक और हर लक्ष्य के लिए उपयुक्त नहीं होता। फंड चुनते समय केवल ज्यादा रिटर्न देखने के बजाय निवेश की अवधि, लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उदाहरण के लिए, तीन साल बाद घर खरीदने के लिए पैसा जुटा रहे निवेशक और 20 साल बाद सेवानिवृत्ति के लिए निवेश करने वाले व्यक्ति की रणनीति एक जैसी नहीं हो सकती। लंबी अवधि वाले निवेशक अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव सहन कर सकते हैं, जबकि कम अवधि के लक्ष्य के लिए बहुत अधिक जोखिम वाले इविवर्टी फंड परेशानी पैदा कर सकते हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में ज्यादा निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर वृद्धि की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक हो सकता है।

पिछले शानदार रिटर्न के पीछे भागना

कई निवेशक ऐसे न्यूउअल फंड चुन लेते हैं, जिन्होंने पिछले एक, तीन या पांच साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया हो। लेकिन किसी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। आज सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड आने वाले वर्षों में भी शीर्ष पर रहेगा, यह जरूरी नहीं है। इसी तरह कुछ समय के लिए कमजोर प्रदर्शन करने वाला फंड भी हर स्थिति में खराब निवेश साबित नहीं होता। बाजार के अलग-अलग दौर में विभिन्न फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। निवेशकों को किसी फंड का चयन करते समय यह देखना चाहिए कि उसका प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में कितना स्थिर रहा है।

बाजार को समय देने के बजाय बाजार का समय पकड़ने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत नियमित निवेश और अनुशासन है। इसके बावजूद कई निवेशक बाजार बढ़ने पर उत्साह से निवेश करते हैं, लेकिन बाजार गिरे तो एसआईपी रोक देते हैं। उन्हें लगता है कि बाजार और नीचे आने पर दोबारा निवेश शुरू करेंगे। समस्या यह है कि बाजार का सबसे निचला स्तर और सबसे ऊंचा स्तर पहले से तय करना बेहद मुश्किल है। कब बाजार गिरेगा और कब तेजी से ऊपर जाएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं है। नियमित एसआईपी में बाजार की अलग-अलग स्थितियों में निवेश जारी रहता है।

क्या करें निवेशक

यदि आपको एसआईपी उम्मीद के मुताबिक आने नहीं बढ़ रही है तो सबसे पहले घबराकर निवेश बंद करने या फंड बेचने की जरूरत नहीं है। अपनी पूरी निवेश योजना की समीक्षा करें। देखें कि एसआईपी की राशि लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं, फंड आपके निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से सही है या नहीं और कहीं आप बार-बार बाजार के उतार-चढ़ाव के आधार पर निवेश के फैसले तो नहीं बदल

बहुत जल्दी बड़े रिटर्न की उम्मीद करना

एसआईपी को कुछ लोग जल्दी पैसा बनाने का साधन समझ लेते हैं, जबकि यह मुख्य रूप से लंबी अवधि में अनुशासित निवेश की रणनीति है। शुरुआती वर्षों में कोष की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी दिखाई दे सकती है, क्योंकि निवेशित राशि अभी बहुत बड़ी नहीं होती। समय के साथ नियमित निवेश जारी रहने पर कुल निवेश राशि बढ़ती है और यदि निवेश को बढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है तो चक्रवृद्धि का प्रभाव भी अधिक दिखाई दे सकता है। निवेश से होने वाली संभावित कमाई यदि निवेश में बनी रहती है, तो वह भी आगे रिटर्न पैदा करने में योगदान दे सकती है।

रहे। जरूरत पड़ने पर एसआईपी की रकम बढ़ाई जा सकती है, फंड चयन की समीक्षा की जा सकती है और अलग-अलग निवेश माध्यमों में राशि के बंटवारे पर भी विचार किया जा सकता है। कोई एक ऐसा जादूई फंड नहीं है, जो हर समय सबसे बेहतर रिटर्न दे। बेहतर रणनीति वही है, जो आपके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुरूप हो और जिसे आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रख सकें।

एशियाई खेलों का रंगारंग उद्घाटन

मार्च पास्ट में नेवी ब्लू का जलवा

स्टार निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत की अनुवाई में भारत ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खिलाड़ियों की परेड में प्रवेश किया। गहरे नीली (नेवी ब्लू) साड़ी और बंदगले की औपचारिक जैकेट पहने मनु दर्शकों का अभिवादन करती नजर आईं। उन्होंने सहरावत के साथ 150 सदस्यीय भारतीय दल की अनुवाई की। भारतीय पुरुष खिलाड़ियों ने भी गहरे नीले रंग की बंदगले की औपचारिक जैकेट और उससे मेल खाती पतलून पहनी थी।



टेबल टेनिस : मानव-मानुष से पदक की उम्मीद

मानुष शाह और मानव ठक्कर की विश्व में तीसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी के नेतृत्व में आत्मविश्वास से भरी भारतीय टेबल टेनिस टीम रविवार को एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरू करेगी और उसका लक्ष्य कम से कम एक पदक जीतना है। भारतीय पुरुष टीम गुप एफ के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया का सामना करेगी और

रविवार को अपने दूसरे मैच में ईरान के खिलाफ खेलेंगी। महिला टीम को भी गुप एफ में रखा गया है और वह इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दिन के दूसरे मैच में उसका सामना सिंगापुर से होगा। पिछले एशियाई खेलों में भारत ने महिला युगल जोड़ी सुतीर्थ मुखर्जी और आरिका मुखर्जी के दम पर कांस्य पदक जीता था।



खबर संक्षेप

भारतीय पुरुष टीम ने स्पेन को हराया, महिला टीम ने मंगोलिया को दी मात

समरकंद (उज्बेकिस्तान)। भारतीय पुरुष टीम ने शतरंज ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन को 3-1 से हराया तो वहीं महिला टीम ने मंगोलिया पर इसी अंतर से जीत दर्ज की। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने पूर्व विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर अलेक्सी शिरोव को मात देकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। गुकेश ने मुकाबले में शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और 42 चालों में बाजी अपने नाम कर ली। भारत को शुरुआती बढ़त अर्जुन एरिगेसी ने दिलाई। दूसरे बोर्ड पर सफेद मोहरों से खेलते हुए अर्जुन ने आक्रमक अंदाज में शानदार जीत दर्ज की। वहीं आर. प्रज्ञानांद को डेविड एंटोन गुड्जगारो ने डॉ पर रोक दिया, जबकि निहाल सरीन और जैमे सैंटोस लतासा के बीच मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ। महिला वर्ग में भी भारतीय टीम ने मंगोलिया के खिलाफ शानदार शुरुआत की है और 2-0 की बढ़त बना कामय की लेकिन आर वैशाली और अनुभव कोनेरु हंगी का मुकाबला ड्रा होने से टीम ने 3-1 से जीत दर्ज की।

ज्योतिष

कहते नहीं करके दिखाते हैं

सभी समस्याओं का समाधान

जैसा चाहोगे करके दूंगा

कारोबार, प्यार में प्रेशानी, दुश्मन से छटकारा, गृहव्यवस्था, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपर्टी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनवाही इच्छा

A to Z समस्या का समाधान

स्पेशलिस्ट: मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह

पंडित पी. के. शारसी

हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मंगा ईनाम।

काम ना होने पर पैसे वापस

+91 99974 92579

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ब्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

नागोया के आसमान में चमका भारत मनु और सहरावत ने लहराया तिरंगा

मार्च पास्ट में 45 देशों के खिलाड़ी हुए शामिल
4 अक्टूबर को खेलों का समापन

एजेसी ►► नागोया

जापान ने शनिवार को एशियाई खेलों के सादगीपूर्ण लेकिन रंगारंग उद्घाटन समारोह में अपनी तकनीकी और औद्योगिक ताकत के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की जिसने प्रतियोगिता से पहले की अव्यवस्थाओं और लॉजिस्टिक्स समस्याओं के बीच एक उम्मीद की किरण दिखाई। अगले 15 दिनों तक 45 देशों के करीब 11,000 खिलाड़ी 43 खेलों और 71 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। इस दौरान कुल 469 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा और खेलों का समापन 4 अक्टूबर को होगा। बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट समेत कुछ अन्य खेलों की स्पर्धाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। 'हार्मोनिक हार्ट बीट' थीम के साथ जापान ने अपने इतिहास में तीसरी बार एशियाई खिलाड़ियों का स्वागत किया। इससे पहले 1958 में तोक्यो और 1994 में हिराशिमा में एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था।

'वन एशिया' की थीम मुख्य आकर्षण

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण दिल के आकार का मुख्य मंच रहा, जिसे 'वन एशिया' की थीम को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था। यह पूरे महाद्वीप के खिलाड़ियों और लोगों के एक-दूसरे से दिल से जुड़ने का प्रतीक था। 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाले खचाखच भरे मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस शानदार समारोह में आइची की औद्योगिक तकनीक और पारंपरिक कला का अनूठा मेल देखने को मिला।

भारत- बांग्लादेश के बीच मिडंत आज



निशिन। मौजूदा चैंपियन भारत रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मैच में अपने आक्रमक तेवर बरकरार रखकर दबाव बनाने की कोशिश करेगा। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रारूप में अपना दबदबा बनाए रखा है और उसने पिछले नौ मुकाबलों में जीत हासिल की है, जिसमें पिछले सप्ताह एशिया कप में 40 रन की जीत भी शामिल है। बांग्लादेश के हाथों उसे टी20 में आखिरी बार तीन साल पहले हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश की टीम भारत पर दबाव बनाने के लिए अपने स्पिंरों पर निर्भर रहेगी। बांग्लादेश को अगर भारत के बल्लेबाजों पर दबाव बनाना है तो नाहिदा अख्तर और रबिया खान जैसी गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वे पिच से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाने और भारत के आक्रमक शीर्ष क्रम को नियंत्रण में रखने की कोशिश करेंगी।

भारत को जापान से मिल सकती है चुनौती

पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम रविवार को अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश की खिलाफ करेगी जबकि महिला टीम काजकिस्तान से भिड़ेगी। टीम प्रतियोगिता के बाद 25 सितंबर से व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारत को 2023 में हांगझोऊ में सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और विराग शेट्टी ने पुरुष युगल में स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा भारत ने पुरुष टीम स्पर्धा में रजत और पुरुष एकल में एचएस प्रणय के शानदार प्रदर्शन से कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय पुरुष टीम रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य रखेगी, जबकि महिला टीम 2014 में इंडियन में कांस्य पदक जीतने के बाद दूसरा टीम पदक हासिल करने की कोशिश करेगी।

सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार मनु और नीरू

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर की अनुवाई में भारतीय निशानेबाज रविवार को एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसमें उन्हें चीन से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। निशानेबाजी में भारत का 30 सदस्यीय दल भाग ले रहा है और उनसे पिछले एशियाई खेलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जा रही है। हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने रिकॉर्ड 22 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) जीते थे। भारतीय टीम में कई ओलंपियन और विश्व स्तरीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से कुछ को बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। लेकिन सबकी निगाहें निश्चित रूप से मनु पर होंगी, जो पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक हासिल करने के बाद एशियाई खेलों में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेगी।

डेविस कप : दक्षिणेश्वर और बालाजी की शानदार जीत

एजेसी ►► सियोल

दक्षिणेश्वर सुरेश और श्रीराम बालाजी ने युगल मुकाबले में उई-सुंग पार्क और जी-सुंग नाम की हराकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत की जीत की उम्मीदों को जीवंत रखा।

मुकाबला के पहले दिन शुक्रवार को दोनों एकल मैच गंवाने के कारण 0-2 से पिछड़ने के बाद भारत को कुछ अलग करने की जरूरत थी। उसने निकी पूनाचा की जगह दक्षिणेश्वर को बालाजी के साथ कोर्ट पर उतारा और उसका यह फैसला सही साबित हुआ। इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3 3-6 6-3 से जीत हासिल की।



पिछड़ने के बाद हासिल की जीत

भारत ने इससे पहले केवल दो बार, 2010 और 2018 में, डेविस कप मुकाबले में 0-2 से पिछड़ने के बाद जीत हासिल की है। यह कारनामा फिर से करने के लिए भारत को अब दोनों उलट एकल मैच जीतने होंगे। भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल पर सारा दायित्व है, जिन्हें पहले उलट एकल मैच में कोरिया के शीर्ष के खिलाड़ी सुनवू क्वोन को हराना होगा। भारत ने पहले सेट में शुरू से ही अपने इरादे जतला दिए थे।

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना

एजेसी ►► सियोल

डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में सुमित नागल पहले उलट एकल के मैच में सुनवू क्वोन से हार गए। इस तरह से कोरिया ने 3-1 से जीत हासिल करके यह मुकाबला अपने नाम कर दिया। नागल को करो या मरो वाले मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत थी, लेकिन भीषण गर्मी में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें कोरिया के नंबर एक खिलाड़ी क्वोन से 1-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।



नागल का लय हासिल करने के लिए संघर्ष

नागल लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और कोरियाई खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया दूसरे सेट में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद नागल उस तरह की वापसी करने में असमर्थ रहे, जो उनकी खासियत है। भारत को अब क्वालीफाईंग राउंड एक में खेलना होगा। यह मैच कप्तान रोहित राजपाल का डेविस कप में आखिरी मैच भी हो सकता है, जिनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक है।

आज एशियाड के लिए जापान रवाना होंगे क्रिकेटर

टीम इंडिया की किट पर पेंच



एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सदस्य एशियाई खेलों के लिए अब भी सही साइज की किट का इंतजार कर रहे हैं जबकि उन्हें रविवार तड़के जापान रवाना होना है। खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर बीसीसीआई और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंसायर के

बीच बातचीत हुई है। श्रेयस अय्यर की अनुवाई वाली टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होने वाली है। भारतीय खिलाड़ी 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी मानक पोशाक पहनेंगे। इसके बाद वे 28 सितंबर से शुरू होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहनेंगे।

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग ड्रेस की जरूरत

आईओए के सूत्र ने बताया, क्रिकेटरों की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किट बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है (एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए), इसलिए ऐसा हुआ होगा। इस बीच नागोया में अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में हो रही देरी को देखते हुए बीसीसीआई ने स्वयं होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है।

महिला टीम को आवास समस्या नहीं

भारतीय महिला टीम हालांकि आईओए के उपलब्ध कराए आवास में रह रही है। महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी।

हरिभूमि न्यूज ►► रोहतक

नवदीप स्टेडियम नरवाना में 13वीं हरियाणा राज्य ओपन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का दो दिवसीय शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 20 सितंबर तक एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की गोवेस कमेटी के सदस्य राजकुमार मिटान के कुशल निदेशन में किया जा रहा है। शुभारंभ एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिगबाग सिंह और एडीए नरवाना संजीत सिंह बैनोवाल ने किया। एथलेटिक्स हरियाणा के मीडिया प्रभारी खेल सत्यवीर धनखंड, फरीदाबाद के

बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। एथलीट पदक जीतने और राष्ट्रीय स्तर पर चयन हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ी एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नियमों के अनुसार दिल्ली में होने वाली नेशनल ओपन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगे। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने विभिन्न स्पर्धाओं के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में फरीदाबाद के शिवम ने पहला, भिवानी

के पंकज ने दूसरा और रोहतक के हिराग ने तीसरा स्थान हासिल किया। तिहरी कूद में भिवानी के तरुण चौहान प्रथम, रोहतक के अजय कुमार द्वितीय और भिवानी के हर्ष दहिया तृतीय रहे। पुरुष शॉट पुट में कुरुक्षेत्र के अर्जुन ने स्वर्ण, सोनीपत के निखलेश ने रजत और कैथल के लक्ष्य ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में चरखी दादरी की अंजलि प्रेम, हिसार की मनीषा द्वितीय और जींद की तनूजा तृतीय रही। महिला जैवलिन थो में फतेहाबाद की ज्योति ने पहला, झज्जर की ज्योति ने दूसरा और फतेहाबाद की दीपिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

रोहित का विवाद और लक्ष्मण से अनबन बनी विदाई की वजह

वर्ल्ड कप से पहले अगरकर व बीसीसीआई के रिश्ते में दरार

एजेसी ►► नई दिल्ली

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रहा विवाद और 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ बढ़ते मतभेद एकदिवसीय विश्व कप 2027 से पहले सीनियर चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बीच रिश्ते टूटने की प्रमुख वजह बने। अगरकर के जाने की पटकथा उस समय लगभग लिखी जा चुकी थी, जब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की समीक्षा के लिए मुंबई में बुलाई गई अहम बैठक से उन्होंने दूरी बना ली।



सैकिया ने किया अगरकर का बचाव

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अले ही उनका बचाव किया, लेकिन बोर्ड के भीतर एक वर्ग का मानना था कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष की मौजूदगी जरूरी थी। अगरकर विश्व कप तक पद पर बने रहने के इच्छुक थे, लेकिन पिछले एक महीने में बीसीसीआई की ओर से लगातार ऐसे संकेत मिल रहे थे कि बोर्ड अब चयन समिति में एच चेद्रे की तलाश कर रहा है। आम तौर पर बोर्ड ऐसे चयनकर्ता को इतनी आसानी से नहीं हटाता, जिसकी अनुवाई वाली समिति ने पिछले तीन वर्षों में सीमित ओवरों की चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली टीम चुनी हो और उनमें से तीन में खिताब भी जीते हो।

रोहित के भविष्य को लेकर पैदा हुई दरार

भारत ने इस दौरान दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। अगरकर और बीसीसीआई के बीच रिश्तों में असली दरार रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर पैदा हुई। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला से ठीक पहले तत्कालीन चयन समिति ने टीम प्रबंधन और बीसीसीआई के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ मिलकर लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित को वनडे टीम से आगे बढ़ने का संकेत देने का फैसला किया था। यह फैसला सामूहिक था और रोहित तक बात पहुंचाने की जिम्मेदारी दक्षिण क्षेत्र के चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा को दी गई, जो रोहित के करीबी मित्रों में माने जाते हैं। रोहित 2027 वनडे विश्व कप खेलना चाहते हैं और उन्हें यह संदेश पसंद नहीं आया।

